हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 10 दिसंबर 2024 | अंक 58 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

FANCY & EXCLUSIVE ROYAL
WEDDING COLLECTION
शालु, लाछा एवम् उत्कृष्ठ कलात्मक साड़ीयों का संग्रह
वैशाली
साड़ी शोरूम
सराफा बाजार, इतवारी नागपुर
समय :10.00 से 7.00 ■ रविवार बंद
9529081789, 9325112561

फडणवीस सरकार ने जीता विश्वास मत

> विधायकों पर भड़के सीएम देवेंद्र फडणवीस > कहा-विधानसभा को बाजार बना दिया

मुंबई।

देवेंद्र फडणवीसके नेतृत्व वाली सरकार ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया। शिवसेना विधायक उदय सामंतऔर अन्य द्वारा पेश किए गए विश्वास प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकरने घोषणा की कि सदन ने विश्वास प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

भाजपा-शिवसेना-राकांपा 'महायुति' गठबंधन के पास 288 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 230 सीटों का बहुमत है। 5 दिसंबर को मुंबई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित समारोह में फडणवीस ने तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को विधान भवन में भीड़ प्रबंधन का आह्वान करते हुए कहा कि परिसर को 'बाजार' नहीं बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि विधान भवन में भीड़ रहेगी तो सदन ठीक से कैसे चल पाएगा? न्होंने कहा कि मैं जो कहने जा रहा हूं, उससे कुछ विधायकों को ठेस पहुंच सकती है लेकिन हमें विधान भवन परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। मैं इस शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहता, हालांकि मुझे स्थिति का वर्णन करने के लिए इससे बेहतर कोई विकल्प नहीं मिल रहा है। यह परिसर 'बाजार' नहीं बनना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि अगर विधान भवन में इतनी भीड़ रहेगी तो यह सदन ठीक से कैसे चलेगा?

उन्होंने कहा कि मैं जो कहने जा रहा हूं, उससे कुछ विधायकों को ठेस पहुंच सकती है लेकिन हमें विधान भवन परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है।

मैं इस शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहता, हालांकि मुझे स्थिति का वर्णन करने के लिए इससे बेहतर कोई विकल्प नहीं मिल रहा है। यह परिसर 'बाजार' नहीं बनना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि अगर विधान भवन में इतनी भीड़ रहेगी तो यह सदन ठीक से कैसे चलेगा?

उन्होंने कहा कि कई निर्वाचित जनप्रतिनिधि काम के लिए विधान भवन के अंदर अलग-अलग कक्षों में अपने समर्थकों के साथ जाते हैं लेकिन कभी-कभी इन कक्षों में बहुत अधिक लोग इकट्ठा हो जाते हैं और कोई और अंदर नहीं जा पाता। फडणवीस ने सदन में राजनीतिक संवाद में कमी पर भी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विधानसभा में संवाद नदारद है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह बंद हो गया है लेकिन इसमें कमी जरूर आई है। हम सभी को इस पर काम करने की जरूरत है।

नार्वेकर बने विधानसभा के नए अध्यक्ष

महाराष्ट्र विधानसभा में राहुल नार्वेकर को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। यह निर्णय प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलंबकर ने लिया। राहुल नार्वेकर ने अध्यक्ष पद के लिए अकेले नामांकन दाखिल किया था, जिसके बाद किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन नहीं किया। इस कारण उन्हें निर्विरोध चुना गया. नार्वेकर बीजेपी के टिकट पर मुंबई के कोलाबा विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक हैं। वह महाराष्ट्र विधानसभा के वर्तमान स्पीकर हैं और वह देश के किसी भी राज्य के अध्यक्ष चुने जाने वाले दूसरे सबसे कम उम्र (44) व्यक्ति हैं। नार्वेकर को जून 2016 में राज्यपाल द्वारा नामित सदस्य के रूप में महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए चुना गया था।

डेढ़ लाख पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने 1.53 लाख पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है, इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बनेंगे। राज्यपाल ने कहा कि अभी तक 78,309 पदों पर नियुक्तियां हो चुकी हैं। राज्यपाल ने बताया कि राज्य सरकार ने पंचायत कानून के तहत 6,931 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की है, जो मानदेय के आधार पर होंगी।

खबरें! एक नजर में!!

नोएडा एयरपोर्ट पर पहली सफल लैंडिंग

नई दिल्ली। नोएडा एयरपोर्ट के लिए सोमवार को बड़ा दिन रहा। नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर विमान की सफल लैंडिंग हुई। नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर सोमवार दोपहर 1.31 बजे पहली बार विमान ने सफल लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। दिल्ली से उड़ान भरकर पहला व्यावसायिक 10 मिनट में नोएडा एयरपोर्ट के फ्लाइंग जोन में पहुंच गया था और उपकरणों सहित अन्य संसाधनों की जांच के लिए डेढ़ घंटे तक एयरपोर्ट के आसपास मंडराता रहा।

पानीपत में बीमा सखी स्कीम लॉन्च

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पानीपत से देश की बीमा कंपनी एलआईसी की नई बीमा सखी योजना को लॉन्च किया। यह योजना खासतौर पर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लाई गई है और इसमें उन्हें एलआईसी एजेंट बनने की पूरी ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके साथ ही उन्हें 5,000 रुपये से 7000 रुपये प्रतिमाह भी दिए जाएंगे। योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका के नए अवसर पैदा होने करने वाली है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मॉस्को पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रूस की आधिकारिक यात्रा पर मास्को पहुंचे। इस दौरान रक्षा मं त्रीने सोमवार को रूस में नौसेना के नवीनतम, बहुउद्देश्यीय, स्टील्थ-गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट (युद्धपोत) 'आईएनएस तुशील' का जलावतरण किया। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी, भारत और रूस वरिष्ठ अधिकारी भी इस दौरान उपस्थित थे।

श्रीनगर-बारामूला हाइवे पर मिला संदिग्ध बैग

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार को एक बड़ी साजिश नाकाम कर दी गई। टीसीपी पलहालन इलाके में एक संदिग्ध बैग मिला जिसके अंदर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) रखा हुआ था। इस खतरनाक वस्तु को बैग में छिपाकर आतंकवादी एक बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे लेकिन सुरक्षाबलों की सूझबूझ और तत्परता से इस साजिश को नाकाम कर दिया गया।

पश्चिम बंगाल में बम ब्लास्ट, 3 की मौत

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बम ब्लास्ट की घटना घटी है। इस घटना में 3 लोगों के मारे जाने की खबर है। पुलिस के मुताबिक, एक घर में अवैध तरीके से देसी बम बनाया जा रहा था। उसी समय किसी बम में विस्फोट हो गया और 3 लोगों की जान चली गई है। जिले के खैरतला निवासी मामून मुल्ला के घर पर रविवार की देर रात अवैध बम बनाने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक किसी बम में विस्फोट हो गया।

महाकुंभ मेला के लिए चलेगी रिंग रेल

नई दिल्ली। प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होगा, लेकिन श्रद्धालु काशी और अयोध्या का दर्शन भी करेंगे। रिंग रेल कनेक्टिविटी श्रद्धालुओं की राह आसान करेगी। ट्रेनें प्रयागराज, बनारस और अयोध्या के बीच रफ्तार से दौड़ेंगी। श्रद्धालुओं के लिए ट्रेनों की कमी नहीं पड़ने पाए, इसके लिए अतरिक्त ट्रेनों के रैक भी रखने की तैयारी है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बनारस स्टेशन पर चलते-चलते मीडिया को महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

आंदोलनकारी किसानों को बड़ा झटका

> सुको ने खारिज की शंभू बॉर्डर खोलने की याचिका

नई दिल्ली।

दिल्ली की कड़ाके की सर्दी में अपने हक की मांग करते किसानों को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने किसानों की शंभू बॉर्डर खाली कराने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। इस याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि, बार-बार एक ही प्रकार की याचिका क्यों दायर की जा रही है ? इस सिलसिले में पहले से ही मामला लंबित है, फिर क्यों ऐसी याचिका दायर की गई है ? इसके आगे कोर्ट ने कहा है कि वो इस याचिका को पहले ही से लंबित मामलों के साथ नहीं सुनेगी, इससे खराब संदेश जाता है औऱ हम याचिका खारिज कर रहे हैं। साथ ही बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने किसानों को हाईवे से हटाने का निर्देश देने की मांग की गई थी। जस्टिस सूर्यकांत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि, यह मामला प्रचार के उद्देश्य से दायर किया गया प्रतीत होता है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि, सुप्रीम कोर्ट ने किसानों की शिकायतों के समाधान के लिए सभी आवश्यक और रचनात्मक कदम उठाए हैं. उन्होंने कहा कि उनकी याचिका का उद्देश्य केवल यात्रियों को हो रही परेशानियों को उजागर करना है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे स्थिति से पूरी तरह अवगत हैं और ऐसा नहीं है कि याचिकाकर्ता ही समाज का इकलौता जागरूक रक्षक है। अदालत ने यह भी कहा कि बार-बार एक ही मामले पर याचिका दाखिल करना उचित नहीं है। गौरतलब है कि पहले से लंबित याचिकाओं के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने एक पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था। इस समिति को किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और अन्य मुद्दों पर बातचीत करने का निर्देश दिया गया था.

शंभू बॉर्डर फरवरी से बंद

हरियाणा सरकार ने इस साल फरवरी में पंजाब से सटे शंभू बॉर्डर को बंद कर दिया था। इसका उद्देश्य यह था कि किसान दिल्ली कूच न कर सकें. वहीं 2020 में किसान आंदोलन ने तीन कृषि कानूनों को रद्द करवाने के लिए सरकार को मजबूर कर दिया था। वर्तमान में किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी और अपनी जमीन के मुआवजे जैसी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने किसानों के शंभू बॉर्डर पर बैठने को गंभीर समस्या करार दिया है।

राज्यसभा में सभापति को हटाने की तैयारी

> 70 सांसदों ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विपक्ष के करीब 70 सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस प्रस्ताव को समाजवादी पार्टी और टीएमसी का भी समर्थन है। विपक्षी सांसदों ने आरोप लगाया है कि सभापति जॉर्ज सोरोस मामले में सत्ता पक्ष को मौका दे रहे हैं।

कांग्रेस इस मामले पर अविश्वास प्रस्ताव लाने को तैयार है। कांग्रेस सूत्रों का मानना है कि गौतम अडानी के मसले को कमजोर करने के लिए बीजेपी जॉर्ज सोरोस का मुद्दा उठा रही है। माना जा रहा है कि कल ही सभापति के खिलाफ विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है। गौरतलब है कि आज संसद के ऊपरी सदन में सोरोस के मुद्दे पर सत्ता पक्ष ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। इसी दौरान सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गरमागरम बहस भी देखने को मिली। बीजेपी चीफ नड्डा ने भी कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने सभापति पर सत्ता पक्ष के प्रति पक्षपाती होने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सभापति अक्सर उनके भाषणों में बाधा डालते हैं, महत्वपूर्ण मुद्दों पर पर्याप्त बहस की अनुमति नहीं देते और विवादास्पद चर्चाओं के दौरान सत्ताधारी दल का पक्ष लेते हैं। इस साल की शुरुआत में ऐसी खबरें आईं थीं कि विपक्ष राज्यसभा सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है। संसद के बजट सत्र के दौरान, विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में अपने विचार व्यक्त करने के लिए कम होते समय और स्थान पर चिंता जताई थी। उनका तर्क था कि संसदीय परंपरा के अनुसार, विपक्ष के नेता को बोलने के लिए मौका दिया जाना चाहिए। एक प्रमुख विवाद कांग्रेस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषणों में बार-बार व्यवधान डालना था, जिसमें कथित तौर पर कई मौकों पर उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया था।

आरबीआई के नए गवर्नर होंगे मल्होत्रा

तीन साल के लिए संभालेंगे कार्यभार

नई दिल्ली।

संजय मल्होत्रा भारतीय रिजर्व बैंक के नए गवर्नर होंगे। केंद्रीय कैबिनेट ने सोमवार को नए गवर्नर के रूप में उनके नाम को मंजूरी दी। वह मौजूदा गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह लेंगे। जानकारी के मुताबिक संजय मल्होत्रा कल बुधवार, 11 दिसंबर को नए गवर्नर के रूप में कार्यभार संभालेंगे। बता दें कि संजय 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उनकी नियुक्ति 3 साल के लिए हुई है। वर्तमान में वह रेवेन्यू सचिव का पदभार संभाल रहे हैं।

संजय मल्होत्रा, 1990 बैच के राजस्थान कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। उन्होंने आईआईटी कानपुर से कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की है। वहीं अमेरिका की प्रिंसटन यूनिवर्सिटी से पब्लिक पॉलिसी में पोस्ट ग्रेजुएशन किया है। अपने 33 वर्षों से अधिक के करियर में संजय मल्होत्रा ने पॉनर, फाइनेंस और टैक्सेशन, आईटी, माइनिंग समेत विभिन्न क्षेत्रों में अहम योगदान दिया है।

ईडी बांटेगी 32 लाख स्कैम पीड़ितों को रकम

> बेचने वाली है आरोपियों की 6 हजार करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली।

ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय पॉन्जी स्कैम का शिकार हुए लाखों निवेशकों को रकम लौटाने की तैयारी कर रहा है। खबर है कि इसकी शुरुआत भी कर दी गई है, जिसके चलते 6 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की कुर्क संपत्ति को बेचने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। खास बात है कि शीर्ष न्यायालय और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने भी 'अपराध की आय' को गरीब निवेशकों को वापस लौटाने का पक्ष लिया था।

खास बात है कि पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान कहा था कि वह कानून में बदलाव की संभावनाएं तलाश रहे हैं, ताकि फ्रॉड का शिकार हुए निवेशकों को कुर्क की गई संपत्तियों का इस्तेमाल कर रकम वापस दिलाई जा सके। रिपोर्ट के अनुसार, एग्री गोल्ड पॉन्जी स्कैम के 32 लाख पीड़ितों को राशि वापस करने के लिए 6 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की कुर्क संपत्ति बेची जा रही है। बीते सप्ताह ही ईडी ने एग्री गोल्ड कंपनी और उसके प्रमोटर्स के खिलाफ हैदराबाद के PMLA कोर्ट का रुख किया था। एजेंसी ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और ओडिशा में अटैच की गई संपत्तियों के निपटान की मांग की थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'जिन संपत्तियों के संबंध में ईडी की तरफ से आवेदन दाखिल किया गया है, उनमें 2310 आवासीय और कमर्शियल प्लॉट, अपार्टमेंट, एम्यूजमेंट पार्क शामिल हैं।' अटैच की गईं 2310 संपत्तियों में से 2254 आंध्र प्रदेश में हैं, 43 तेलंगाना में, 11 कर्नाटक और 2 ओडिशा में हैं। इससे पहले आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने एपीपीडीएफएए एक्ट के तहत सीआईडी की तरफ से अटैच की गई संपत्तियों की वापसी की अनुमति दी थी।

क्या है मामला?

एग्री गोल्ड स्कीम के एजेंट्स ने 32 लाख ग्राहकों से 6 हजार 400 करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाए थे। आंध्र प्रदेश CID ने पहले भी हाईकोर्ट का रुख किया था और ईडी की तरफ से अटैच संपत्तियों को रिजीज करने की मांग की है, ताकि पीड़ितों में रुपया बांटा जा सके। ED ने दिसंबर 2020 में एग्री गोल्ड ग्रुप और इसके प्रमोटर अवा वेंकट रामा राव उनके परिवार के सदस्यों अवा वेंकट सेषु नारायण और अवा हेमा सुंदर वारा प्रसाद को गिरफ्तार किया था।

इस सत्र में पेश हो सकता है 'वन नेशन-वन इलेक्शन'

> चर्चा के लिए जेपीसी के पास भेजा जाएगा बिल

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार संसद के मौजूदा सत्र में ही 'वन नेशन-वन इलेक्शन' बिल पेश कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार इस बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है, लिहाजा संसद से बिल को चर्चा के लिए जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) के पास भेजा जाएगा।

जेपीसी इस बिल पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेगी। इसके अलावा सभी राज्यों की विधानसभाओं के स्पीकर और देशभर के बुद्धिजीवियों और अन्य स्टेकहोल्डर्स को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। आम लोगों की भी राय ली जाएगी।

इससे पहले सितंबर में केंद्रीय कैबिनेट ने वन नेशन-वन इलेक्शन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। कैबिनेट मीटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि 'पहले फेज में विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ होंगे। इसके बाद 100 दिन के भीतर दूसरे फेज में निकाय चुनाव साथ कराए जाएं।

वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितंबर 2023 को एक पैनल बनाया गया था। इस पैनल ने स्टेकहोल्डर्स-एक्सपर्ट्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च के बाद 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

केंद्र सरकार शुरू से ही एक राष्ट्र के पक्ष में रही है। हालांकि, मौजूदा व्यवस्था को बदलना बेहद चुनौतीपूर्ण काम है। इसके लिए आम सहमति बेहद आवश्यक है।

देश में एक राष्ट्र एक चुनाव को लागू करने के लिए संविधान में संशोधन करने के लिए करीब 6 विधेयक लाने होंगे। इन सभी को संसद में पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी।

चूंकि मौजूदा स्थिति में दोनों सदनों में एनडीए के पास साधारण बहुमत है। इस कारण लोकसभा या राज्यसभा किसी में भी सरकार के लिए दो-तिहाई बहुमत प्राप्त करना एक कठिन काम हो सकता है। मौजूदा आंकड़ों पर नजर डालें तो राज्य सभा में एनडीए के पास 112 और विपक्षी दलों के पास 85 सीटें हैं, जबकि दो तिहाई बहुमत के लिए 164 वोटों की आवश्यकता होती है।

2029 से लागू हो सकता है विधेयक

एक देश-एक चुनाव लागू करने के लिए कई राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल घटेगा। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव 2023 के आखिर में हुए हैं, उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विधि आयोग के प्रस्ताव पर सभी दल सहमत हुए तो यह 2029 से ही लागू होगा। साथ ही इसके लिए दिसंबर 2026 तक 25 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने होंगे।

शांति की ओर बढ़ रहा मणिपुर

इंफाल।

मणिपुर सरकार ने कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद नौ जिलों में इंटरनेट तथा डेटा सेवाओं पर लगी अस्थायी पाबंदियां हटा दी गई हैं। अब इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी, चुराचांदपुर, जिरीबाम तथा फेर्ज़ावल जिलों में इंटरनेट सेवाएं फिर से बहाल कर दी गई हैं। सरकार ने बताया कि इंटरनेट सेवाओं के सामान्य संचालन तथा कानून व्यवस्था के बीच संभावित संबंधों की जांच के बाद यह फैसला लिया गया है। इस कदम से इन जिलों के निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

मणिपुर सरकार ने राज्य के नौ अशांत जिलों में मोबाइल डेटा सेवाओं पर प्रतिबंध नौ दिसंबर तक बढ़ा दिया था। गृह विभाग द्वारा शनिवार को जारी एक आदेश में कहा गया कि यह निर्णय इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्वी, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेरजावल और जिरीबाम जिलों में मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद लिया गया।

अब 'भ्रष्टाचार' पर लगेगी रोक

> फुलप्रूफ तकनीक देगी त्वरित न्याय

नई दिल्ली।

तीन नए आपराधिक कानून- 'भारतीय न्याय संहिता', 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' और 'भारतीय साक्ष्य अधिनियम', देश में पहली जुलाई से लागू हो गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशन में इन कानूनों का ऐसा स्वरूप तय किया गया है कि अब विभिन्न मामलों की सुनवाई के लिए अदालतों में 'तारीख पर तारीख' नहीं मिलेगी। त्वरित गति से न्याय मिलेगा। साथ ही न्याय संबंधी प्रक्रिया के विभिन्न पहलू, डिजिटल प्लेटफार्म पर रहेंगे। इसके चलते 'क्रप्शन' पर रोक लगेगी।

खास बात है कि पुलिस, अदालत, वकील, अस्पताल, गवाह और फोरेंसिंक जांच, इन सब में पहले जो समय लगता था, अब वैसा नहीं होगा। हाई तकनीक की मदद से स्पीडी न्याय मिलेगा। सब कुछ डिजिटल प्लेटफार्म पर रहेगा। इसके अलावा नए कानूनों में अब थानों में जब्त हुई संपत्ति, कबाड़ नहीं बनेगी। उसका निपटारा भी त्वरित गति से होगा। न्यायालय के लिए मामले की संपत्ति का विवरण 14 दिनों में तैयार करना अनिवार्य किया गया है।

संपत्ति का निपटान, जब्ती या सुपुर्दारी, संपत्ति विवरण के 30 दिन के भीतर करना अनिवार्य बनाया गया है। चंडीगढ़ के डीजीपी एसएस यादव बताते हैं, केंद्रीय गृह मंत्रालय के तत्वावधान में चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा तीनों नए कानूनों के सफल क्रियान्वयन को लेकर जो लाइव प्रदर्शनी आयोजित की गई थी, वह अभी तक जारी है।

पीएलआई योजना से रोजगार में बंपर बढ़ोत्तरी

8,910 करोड़ रुपये के निवेश को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली. भारत सरकार ने देश में रोजगार बढ़ाने के लिए कई योजनाओं की शुरूआत की है। केंद्र सरकार ने हाल ही में फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में बंपर रोजगार के अवसर पेश किए है। बताया जा रहा है कि ये नौकरियां प्रोडक्शन बेस्ड इंसेंटिव यानी पीएलआई योजना के अंतर्गत उत्पन्न होने वाली है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि इस सेक्टर में 31 अक्टूबर तक कुल 2.89 लाख से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा हुए है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने ये जानकारी दी है कि इस स्कीम के लिए देशभर में कुल 8,910 करोड़ रुपये का इंवेस्टमेंट किया गया है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए पीएलआई योजना को 31 मार्च, 2021 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10,900 करोड़ रुपये की लागत के बजट के साथ मंजूरी दे दी थी। इसे साल 2021-22 से लेकर साल 2026-27 तक के लिए लागू किया जाने वाला है। इस मंत्रालय के अनुसार, अब तक 171 एप्लिकेंट को इस योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है। इस योजना के लिए देश में उगाए गए एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स का उपयोग किया गया है। इससे लोकल कच्चे माल की खरीदारी में भी काफी बढ़ोतरी आयी है। इस योजना के आने का सबसे ज्यादा लाभ ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों को हुआ है और किसानों की इनकम में भी इसके कारण बढ़ोतरी हुई है।

भारत सरकार खाद्य प्रसंस्करण यानी फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में छोटे और मझोले उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाओं का समर्थन किया है। इसमें प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों औपचारीकरण योजना यानी पीएमएफएमई और पीएलआईएसएफपीआई जैसी योजनाएं शामिल है। इन योजनाओं के द्वारा छोटे और मझोले उद्योगों को फाइनेंशियल, टेक्निकल और मार्केट सपोर्ट प्रदान किया जा रहा है। इससे इन कारोबारों की क्षमता को बढ़ाने में विस्तार करने में मदद मिल रही है।

कैसे उठा सकते है इस योजना का लाभ

पीएलआई योजना के अंतर्गत, ज्यादातर लाभार्थी एमएसएमई हैं, जिनमें 70 एमएसएमई सीधे योजना में शामिल हैं। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत, 73 ये ज्यादा लाभार्थियों को इस योजना का लाभ मिला है। इस योजना में 40 अन्य कंपनियां बड़े उद्योगों के लिए कॉन्ट्रैक्ट निर्माता के रूप में योगदान दे रही हैं। आवेदकों को इस योजना का लाभ उठाने के लिए 5 सालों में कम से कम 5 करोड़ रुपये की जरूरत होती है।

आईपीओ लाने की तैयारी में फ्लिपकार्ट

नई दिल्ली. देश की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट जल्द ही शेयर बाजार में एंट्री करने वाली है. कंपनी आईपीओ लाने की तैयारी में है. जिसकी कीमत 36 अरब डॉलर यानी 3 लाख करोड़ है. अगर फ्लिपकार्ट की एक्सचेंज पर लिस्टिंग होती है तो न्यू ऐज कंपनियों के साथ ई-कॉमर्स सेक्टर से जुड़ी ये सबसे बड़ी कंपनी होगी जो स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होगी साथ ही न्यू ऐज कंपनियों में फ्लिककार्ट के आईपीओ का साइज सबसे बड़ा रह सकता है, ऐसे में आइए जानते हैं कब कंपनी का आईपीओ मार्केट में आएगा? आगामी वर्ष में 12-15 महीने की निश्चित समयावधि के साथ आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) की तैयारी कर रही है, यह जानकारी मामले से अवगत कई लोगों ने दी है.प्रस्तावित लिस्टिंग, जो कि किसी नई-अर्थव्यवस्था कंपनी द्वारा जारी किया जाने वाला सबसे बड़ा शेयर इश्यू होने की संभावना है.

यह देश के स्टार्टअप सेक्टर के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण होगा, जिसे अब दुनिया भर में तीसरा सबसे बड़ा माना जाता है. वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फर्म ने अपना निवास सिंगापुर से भारत स्थानांतरित करने के लिए आंतरिक अनुमोदन प्राप्त कर लिया है, जिसे आईपीओ के लिए पहला कदम माना जाता है और अगले कैलेंडर वर्ष के अंत तक या 2026 की पहली तिमाही के भीतर शेयरों की सार्वजनिक बिक्री का लक्ष्य बना रही है, मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि आईपीओ लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और यह साफ समझ आ रहा है कि इस समयावधि में कंपनी को सार्वजनिक हो जाना चाहिए।

पेटीएम का स्टॉक पहुंचा हजार रुपये के पार

7 महीनों में 225 फीसदी उछला शेयर

नई दिल्ली. फिनटेक कंपनी पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्यूकेशंस लिमिटेड के लिए साल 2024 सबसे चुनौतीपूर्ण रहा है तो कंपनी के स्टॉक के लिए ये साल यादगार साबित होने जा रहा है. 9 दिसंबर, 2024 को पेटीएम का स्टॉक करीब 3 साल बाद फिर से 1000 रुपये के पार जाने में सफल रहा है. आरबीआई की कार्रवाई के बाद 310 रुपये के लेवल तक फिसलने के बाद शेयर 8 महीने से भी कम समय में अपने निवेशकों को 225 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न दे चुका है. वन97 कम्यूकेशंस सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड ने एक्सचेंज फाइलिंग में 6 दिसंबर 2024 को ये जानकारी दी कि बोर्ड ने जापान के 2364 करोड़ रुपये में अपनी हिस्सेदारी बेचने को मंजूरी दे दी है. 9 दिसंबर को स्टॉक 3 फीसदी के उछाल के साथ 1007 रुपये पर जा पहुंचा जो पिछले सेशन में 976.25 रुपये पर क्लोज हुआ था. 19 जनवरी 2022 के बाद ये पहला मौका है जब पेटीएम का शेयर 1000 रुपये के लेवल को पार करने में सफल रहा है. फिलहाल शेयर 1.05 फीसदी के उछाल के साथ 987.30 रुपये पर ट्रेड कर रहा है. इसी साल 31 जनवरी 2024 को बैंकिंग सेक्टर के रेगुलेटर भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए नए ग्राहकों के जोड़ने पर रोक लगा दिया था. पेटीएम पर बैंकिंग रेगुलेशन को लेकर अनियमितताएं बरतने का आरोप था जिसके बाद आरबीआई ने ये बड़ी कार्रवाई की.

आरबीआई के एक्शन के बाद पेटीएम के शेयर्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी. 10 मई 2024 को स्टॉक 310 रुपये के लेवल तक जा फिसला था. लेकिन इस संकट से कंपनी ने खुद को उबार लिया. और इन लेवल से स्टॉक में जोरदार उछाल देखने को मिला है.

9 मई 2024 के बाद से 310 रुपये वाला स्टॉक अब 1007 रुपये के लेवल पर जा पहुंचा है. महज 7 महीनों में पेटीएम के शेयर में निचले लेवल से 700 रुपये का उछाल आ चुका है और जिन निवेशकों ने 310 रुपये के करीब शेयर को खरीदा उन्हें अपने निवेश पर 225 फीसदी का रिटर्न मिल चुका है. मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में पेटीएम को 928 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था.

सिएट ने कैम्सो ब्रांड के ऑफ-हाइवे टायर को किया अधिग्रहण

मुंबई.

भारत-आरपीजी समूह कंपनी, सिएट और टायर के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी, मिशेलिन ने घोषणा की कि उन्होंने सिएट के लिए मिशेलिन से कैम्सो ब्रांड के ऑफ-हाइवे निर्माण (कंस्ट्रक्शन) उपकरण बायस टायर और ट्रैक व्यवसाय का अधिग्रहण करने के लिए निश्चयात्मक समझौता किया है, जो लगभग 225 मिलियन डॉलर के मूल्य का नकदी सौदा है। इस हस्तांतरण में साल 2023 के लिए लगभग 213 मिलियन डॉलर की आय वाले इस व्यवसाय और दो अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्रों के साथ कैम्सो ब्रांड का वैश्विक स्वामित्व शामिल होगा। कैम्सो निर्माण उपकरण टायर और ट्रैक के खंड में एक प्रीमियम ब्रांड है, जिसकी यूरोपीय संघ और उत्तरी अमेरिकी आफ्टरमार्केट और ओई सेगमेंट में बड़ी बाज़ार हिस्सेदारी है। कैम्सो ब्रांड को 3 साल की लाइसेंसिंग अवधि के बाद सभी श्रेणियों में स्थायी रूप से सिएट को सौंप दिया जाएगा। इससे हाई मार्जिन वाले ऑफ-हाइवे टायर (ओएचटी) और ट्रैक सेगमेंट में सिएट के उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार होगा, जिसमें कृषि टायर और ट्रैक, हार्वेस्टर टायर और ट्रैक, पावर स्पोर्ट्स ट्रैक और मटीरियल हैंडलिंग टायर शामिल हैं। इस तरह मिशेलिन कॉम्पैक्ट लाइन बायस टायर और कंस्ट्रक्शन ट्रैक से संबंधित गतिविधियों से बाहर निकल जाएगा। सिएट के लिए यह अधिग्रहण हाई मार्जिन वाले ओएचटी खंड में अग्रणी वैश्विक कंपनी बनने की महत्वाकांक्षा के लिहाज़ से बड़ी उपलब्धि है। सिएट पिछले एक दशक से अपने ओएचटी व्यवसाय के निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसमें अब 900 से अधिक उत्पाद और कृषि खंड की लगभग 84 फीसदी रेंज आवश्यकता को पूरा करना शामिल है। कैम्सो सिएट को ट्रैक और कंस्ट्रक्शन टायर खंड में इसके उत्पाद आधार को व्यापक बनाने की क्षमता प्रदान करेगी। इससे भी बड़ी बात यह है कि इससे सिएट को 40 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय ओईएम और प्रीमियम अंतर्राष्ट्रीय ओएचटी वितरक सहित वैश्विक स्तर पर ग्राहकों तक पहुंच मिलेगी। सिएट कैम्सो को कृषि टायर जैसे अन्य सेगमेंट में विस्तार करने की क्षमता प्रदान करगी। दोनों ब्रांड अपनी स्थिति और क्षमताओं के लिहाज़ से एक-दूसरे के पूरक हैं।

सोने की कीमतों में आई उछाल

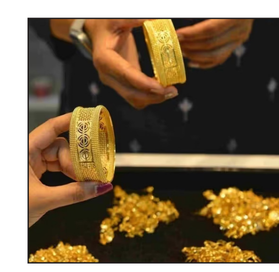

नई दिल्ली. सीरिया में राजनैतिक उथल पुथल से बढ़ वैश्विक तनाव के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी सत्र में सोना बढ़त के साथ खुला है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स पर सोना 182 रुपये प्रति ग्राम के उछाल के साथ 76,801 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा है जो पिछले क्लोजिंग सेशन में 76,619 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था.

आज के सेशन में सोने के दामों में 0.23 फीसदी या 182 रुपये की उछाल देखने को मिली है. सोने के दामों में जहां तेजी है चांदी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है. चांदी 448 रुपये या 0.45 फीसदी की गिरावट के साथ एमसीएक्स पर 92023 रुपये प्रति किलो पर जा फिसला है. पिछले सेशन में चांदी 92,448 रुपये प्रति किलो पर बंद हुआ था. सोने में जो तेजी है साथ में अमेरिकी में 18 दिसंबर 2024 को फेडरल रिजर्व की ओर ब्याज दरों में एक चौथाई फीसदी की कटौती की उम्मीदों के चलते भी देखने को मिल रही है. इस हफ्ते भारत में 12 दिसंबर, 2024 को खुदरा महंगाई दर के आंकड़े जारी किए जायेंगे तो बुधवार 11 दिसंबर, 2024 को अमेरिका में भी महंगाई दर का आंकड़ा घोषित होगा. अमेरिका में फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती किए जाने की उम्मीद बंधने लगी है जिसके चलते आने वाले दिनों में सोने के दामों में और तेजी की उम्मीद की जा रही है. उसपर से सीरिया की घटना भी सोने के दामों को हवा द सकती है.

शॉप्सी की एंड ऑफ सीजन सेल का हर दिन आनंद लें

बेंगलुरु. शॉप्सी, भारत का सबसे तेजी से बढ़ता हाइपर-वैल्यू प्लेटफॉर्म, अपनी बहुप्रतीक्षित 'एंड ऑफ सीजन सेल' (ईओएसएस) के साथ 2024 का शानदार तरीके से समापन कर रहा है, जो साल के अंत के उत्साह को एक नए स्तर पर ले जा रहा है। यह सेल, जो 7 दिसंबर से 15 दिसंबर, 2024 तक चलने वाली है, ग्राहकों के लिए 149/- रुपये से कम में 50 लाख से अधिक स्टाइल लेकर आ रही है, जो इसे ट्रेंडी, बजट- फ्रेंडली फैशन के लिए अंतिम जगह बनाती है। गुणवत्ता और विविधता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह सेल 2024 की सबसे बड़ी फैशन सेल होने का वादा करती है, जिससे ग्राहकों को एक ही छत के नीचे सब कुछ मिलेगा। ग्राहक विक्रेता/ब्रांड द्वारा प्रदान की जाने वाली फ्लैश फैशन डील्स, स्टाइल लूट अवर और मेगा प्राइस क्रैश से, अपने पसंदीदा पर पहले कभी न देखे गए ऑफ़र का लाभ उठा सकते हैं। ग्राहक विभिन्न श्रेणियों से खरीदारी कर सकते हैं, जिनमें शीर्ष उत्पाद जैसे फैशन परिधान, कुर्तिज, एथनिक ड्रेसेस, होम डेकोर, फूटवियर और भी बहुत कुछ, आश्चर्यजनक कीमतों और ऑफ़र पर शामिल हैं। इस सेल के साथ, ग्राहक हर दिन एक नया स्टाइल अपना सकते हैं, जो वास्तव में 'नया लुक, नई डीपी, हर दिन!' की भावना को दर्शाता है। शॉप्सी की बिजनेस हेड प्रथ्यूषा अग्रवाल कहती हैं, "फ़ैशन सिर्फ़ ट्रेंड के बारे में नहीं है - यह हमारी पहचान का विस्तार है। शॉप्सी की एंड ऑफ़ सीज़न सेल का उद्देश्य ग्राहकों को आत्मविश्वास के साथ अपनी स्टाइल अपनाने के लिए सशक्त बनाना है। नए साल का स्वागत करते हुए, हम भारत के खरीदारों को परिवार के हर सदस्य के लिए सोच-समझकर तैयार किया गया कलेक्शन पेश करने के लिए उत्साहित हैं - जेन Z और बच्चों से लेकर मिलेनियल्स तक। आपकी स्टाइल चाहे जो भी हो, आपको शॉप्सी पर यह सब बेजोड़ किफ़ायती दामों पर मिलेगा। हमारे ईओएसएस के साथ, अपना नया लुक, नई डीपी, हर दिन दिखाएँ! शॉप्सी ऐप को अधिक कुशल और लाइट बनाकर बजट-फ्रेंडली मोबाइल फोन पर एक सहज खरीदारी अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे ग्राहकों को स्टोरेज सीमाओं की परवाह किए बिना ऐप को एक्सेस कर सके। खरीदारी के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए, वैयक्तिकृत सुझाव खरीदारों के लिए बड़े चयन से अपनी पसंदीदा वस्तु चुनना आसान बना देंगे, जिससे खरीदारी का अनुभव बेहतर होगा। साल के अंत में आने वाले ट्रेंड्स बताते हैं कि ग्राहक तेजी से ऐसे कपड़ों की ओर आकर्षित हो रहे हैं जो अनुकूलनीय हैं और जिन्हें कई तरह से पहना जा सकता है, जिससे वे बिना बजट से ज़्यादा खर्च किए स्टाइलिश बने रह सकते हैं। शॉप्सी के हालिया डेटा के अनुसार, मूल्य के प्रति जागरूक खरीदारों के बीच बजट के अनुकूल, स्टाइलिश कपड़ों की मांग में 3 गुना वृद्धि हुई है, जो नियमित रूप से अपने वार्डरोब को रिफ्रेश करने के लिए भी उत्सुक हैं। चाहे आप अपनी अलमारी को अपडेट करना चाहते हों या अपने रिफ्रेश करना चाहते हों, शॉप्सी की सबसे बड़ी फैशन सेल नए और किफ़ायती लुक के लिए सबसे बढ़िया जगह है। यह डील एक समावेशी खरीदारी अनुभव प्रदान करती है जो विभिन्न रुचियों और बजटों को समायोजित करती है, जिससे सभी के लिए स्टाइलिश फैशन सुलभ हो जाते हैं क्योंकि शॉप्सी भारत के ग्राहकों की सेवा करने के लिए समर्पित है।

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — निकाल — महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 4:45 वाजता

सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 50 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 09/12/2024

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	5191 (ओम गं गणपतेय नमः लॉटरी - पुणे)	3849	7800	6495 (श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई)	4516

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

बक्षिस										
दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	3052					4325				
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	0827		1088		4109		7414		8567	
चौथे बक्षिस रु. 1000/-	0426	0710	0937	3718	3895	4489	7243	7621	8546	9919
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	0278	0485	0938	2951	4780	7504	8608	8827	8942	9496

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-										
	0490	1703	2299	3285	4427	5225	6029	7270	8008	8910
	0564	1766	2312	3294	4447	5243	6059	7277	8115	8928
0004	0636	1778	2322	3383	4461	5252	6076	7286	8223	8956
0006	0642	1785	2369	3493	4470	5305	6238	7355	8225	8987
0010	0758	1821	2425	3536	4482	5335	6297	7412	8330	9241
0058	0894	1844	2685	3577	4492	5358	6365	7470	8375	9269
0079	0950	1902	2775	3587	4503	5398	6419	7479	8466	9394
0080	0957	1919	2804	3625	4644	5414	6560	7491	8528	9415
0095	0992	1933	2821	3699	4763	5506	6618	7534	8626	9476
0105	1003	2022	2912	3743	4821	5569	6630	7536	8678	9496
0189	1051	2027	2919	3778	4868	5577	6639	7652	8713	9540
0190	1077	2031	2947	3843	4929	5584	6694	7703	8802	9613
0205	1144	2122	2959	3996	4985	5595	6717	7755	8813	9670
0207	1172	2154	2966	4074	5001	5605	6763	7772	8823	9755
0209	1241	2156	3050	4154	5105	5705	6893	7790	8828	9798
0320	1250	2172	3119	4249	5125	5774	6945	7792	8845	9914
0470	1410	2178	3128	4370	5126	5821	6958	7824	8857	9976
0480	1490	2195	3230	4420	5185	5853	7174	7847	8858	9977
0482	1513	2251	3236	4424	5205	5965	7210	7940	8893	9998

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत — तिकीट किंमत रु. 50/- — सोडत दिनांक 10-12-2024
जिंका फक्त 5 अंकावर रु. 22 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 11 लाखाची x 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 10 हजाराची x 20 बक्षिसे) — सातवे बक्षिस रु. 12 लाख (रु. 150 ची x 8000 बक्षिसे)
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी सोम विकली लॉटरी सोडत दिनांक 09/12/2024 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाकुंभ पर चलेंगी 3 हजार स्पेशल समेत 13 हजार ट्रेनें

रेलवे खर्च कर रहा 5 हजार करोड़

प्रयागराज.

जनवरी 2025 में होने वाले महाकुंभ की तैयारी जोरों-शोरों से चल रही हैं. खुद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव महाकुम्भ 2025 के लिए रेलवे की तैयारियों का जायजा लेने वाराणसी से रेल मार्ग से प्रयागराज पहुंचे हैं. महाकुम्भ के मौके पर संगमनगरी में ट्रेन से इस बार करीब डेढ़ से 2 करोड़ श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आने की उम्मीद है. वहीं श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए रेलवे ने 3 हजार स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है. महाकुम्भ के लिए रेलवे 3 हजार स्पेशल ट्रेनों समेत 13 हजार ट्रेनें चलाएगा इससे करीब डेढ़ से दो करोड़ यात्रियों को ट्रेन यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी.

महाकुंभ 2025 की तैयारियों पर रेलवे अकेले प्रयागराज में ही पिछले 2 साल में 5000 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च कर चुका है. यह जानकारी प्रयागराज पहुंचे केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी है. पूर्वोत्तर रेलवे, उत्तर रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे के अंतर्गत प्रयागराज में स्थित विभिन्न स्टेशनों का निरीक्षण करने के बाद रेल मंत्री ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने गंगा नदी पर बने नए पुल का भी निरीक्षण किया जिसका उद्घाटन बहुत जल्द प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे. यहां गंगा नदी पर 100 साल के बाद नया पुल बना है.

उन्होंने आगे कहा, व्यक्तिगत रूप से उन्होंने पांच स्टेशनों का निरीक्षण किया. इन स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बहुत अच्छे बने हैं जहां श्रद्धालु ट्रेन आने तक अच्छी तरह से बैठ सकेंगे. होल्डिंग एरिया और टिकटों में कलर कोडिंग का उपयोग किया गया है ताकि श्रद्धालु सही प्लेटफार्म पर पहुंच सकें और सही ट्रेन पकड़ सकें.रेल मंत्री ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के (प्राण प्रतिष्ठा) कार्यक्रम और पुरी की जगन्नाथ यात्रा से मिले अनुभव का उपयोग करके यहां काम किया गया है. एक विशेष बात यह है कि करीब करीब हर स्टेशन पर फुटओवर ब्रिज पर एकल दिशा में यात्रियों के जाने की व्यवस्था की गई है. उन्होंने बताया कि मेले के दौरान ट्रेनें इस तरह से लगाई जाएंगी कि यात्रियों को फुटओवर ब्रिज का इस्तेमाल कम से कम करना पड़े.

कंट्रोल रूम से होगी निगरानी

अश्विनी वैष्णव ने कहा, पहली बार मोबाइल यूटीएस का उपयोग यहां किया जा रहा है जिसमें एक मोबाइल उपकरण धारक व्यक्ति यात्रियों को टिकट उपलब्ध कराएगा. इससे पूर्व, पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान इसका उपयोग किया गया था. रेल मंत्री ने कहा, महाकुम्भ के लिए प्रयागराज-वाराणसी मार्ग पर रेल का दोहरीकरण किया गया है. फाफामऊ-जंघई खंड का दोहरीकरण किया गया है.

विदेशी निवेशकों का यू टर्न

नई दिल्ली. बीते कई हफ्तों से बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों ने दिसंबर के पहले हफ्ते में भारतीय शेयर बाजार में जोरदार वापसी की है. अक्टूबर और नवंबर में बड़े स्तर पर निवेश घटाने के बाद, अब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने दिसंबर के पहले 6 दिनों में 24,454 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है. यह निवेश भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की मजबूत वापसी को दिखाता है. एक्सपर्ट्स का मानना है कि इससे ना सिर्फ भारतीय शेयर बाजार में हरियाली लौटेगी, बल्कि कई शेयरों में फिर से बड़ी रैली देखने को मिल सकती है मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि वैश्विक वित्तीय स्थिरता, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की संभावना और भू-राजनीतिक तनाव में कमी जैसी वजहों ने एफपीआई को भारतीय बाजार में वापस लौटने के लिए प्रेरित किया. विदेशी निवेशकों के लौटने से बाजार की धारणा सकारात्मक हुई है. घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की सतत खरीदारी के बीच एफपीआई की गतिविधियां भारतीय शेयर बाजार की स्थिरता को मजबूती दे रही हैं. विदेशी निवेशकों के वापसी का असर शेयर बाजार पर भी साफ दिखाई दे रहा है. पिछले हफ्ते बीएसई सेंसेक्स 1,906.33 अंकों या 2.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ था. जबकि, एनएसई निफ्टी में 546.7 अंक या 2.26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी अगस्त में एफपीआई ने 7,322 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे. वहीं, जुलाई में विदेशी निवेशकों का निवेश 32,359 करोड़ रुपये रहा. जून की बात करें तो इस महीने एफपीआई 26,565 करोड़ रुपये के शुद्ध खरीदार थे.

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

विदर्भ स्टॉकिस्ट — प्रविण कडू : 9822472123

महाराष्ट्र सागरलक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दर सोमवारी — तिकीट कि. रु. 50/- — सोडत क्र. 50 — सोडत दिनांक 09/12/2024

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख — SL-08 : 3655

उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- : 3655 (पहिल्या बक्षिसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी)

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

बक्षिस						
दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1657	2554	3118	3182	4532	4799
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1562	2539	3357	3771	4268	5782
चौथे बक्षिस रु. 500/-	4230	4759	4944	5206	5980	6300
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	2202	2280	2785	3364	3918	4563

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
1064	1357	1810	2192	2501	2952	3392	3796	4382	4786	5373	5737	6264	6680
1078	1360	1815	2195	2563	2960	3396	3798	4394	4787	5389	5757	6276	6686
1081	1387	1818	2198	2577	2997	3398	3808	4399	4790	5397	5773	6301	6691
1088	1400	1841	2200	2597	3000	3452	3833	4404	4819	5417	5795	6306	6694
1105	1419	1852	2204	2607	3018	3454	3843	4408	4822	5443	5830	6312	6699
1106	1434	1861	2206	2609	3020	3458	3848	4423	4841	5451	5851	6315	6700
1120	1455	1864	2208	2621	3031	3490	3849	4438	4849	5459	5853	6320	6707
1121	1465	1881	2214	2629	3039	3494	3868	4443	4860	5475	5855	6339	6747
1124	1470	1885	2223	2682	3059	3504	3874	4465	4883	5501	5870	6360	6751
1130	1483	1908	2227	2684	3068	3506	3881	4477	4888	5507	5873	6386	6760
1141	1497	1910	2237	2686	3080	3507	3891	4486	4894	5510	5875	6387	6766
1143	1505	1914	2245	2702	3089	3519	3927	4495	4926	5515	5895	6390	6771
1150	1517	1916	2248	2724	3093	3533	3951	4496	4935	5525	5915	6468	6776
1158	1518	1917	2250	2726	3107	3544	3953	4505	4937	5526	5917	6471	6786
1169	1528	1933	2261	2727	3126	3565	3988	4507	4948	5528	5921	6478	6787
1174	1531	1945	2271	2728	3179	3567	4000	4510	4949	5529	5937	6488	6807
1175	1543	1950	2276	2741	3180	3573	4008	4531	5000	5536	5940	6518	6831
1186	1581	1959	2283	2747	3187	3597	4012	4541	5031	5544	5951	6524	6840
1188	1589	1973	2288	2766	3208	3606	4030	4561	5051	5550	5957	6530	6866
1191	1601	1974	2294	2782	3230	3633	4046	4570	5055	5555	5975	6541	6889
1195	1631	1991	2296	2795	3233	3641	4062	4612	5075	5565	5988	6547	6894
1214	1648	2002	2297	2820	3236	3663	4064	4632	5095	5567	6002	6550	6898
1221	1668	2007	2302	2824	3252	3667	4084	4636	5138	5570	6014	6613	6921
1237	1676	2026	2325	2829	3317	3669	4094	4644	5145	5572	6015	6616	6924
1241	1681	2032	2326	2855	3318	3690	4123	4646	5158	5581	6047	6625	6946
1261	1709	2033	2329	2863	3326	3693	4135	4648	5168	5582	6053	6634	6961
1266	1711	2049	2342	2876	3332	3703	4143	4650	5174	5595	6060	6644	6963
1290	1713	2059	2403	2883	3339	3718	4167	4685	5187	5605	6063	6649	6965
1297	1716	2070	2420	2905	3344	3730	4173	4724	5209	5655	6069	6652	6967
1306	1718	2077	2441	2906	3352	3731	4244	4732	5245	5667	6074	6655	6972
1310	1719	2101	2447	2915	3353	3738	4254	4737	5250	5690	6152	6656	6996

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी नाताळ विशेष मासिक सोडत — तिकीट किंमत रु.100/- — सोडत दिनांक 14-12-2024
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 22 लाख पहिले सामायिक बक्षिस — दुसरे बक्षीस ₹ 3 लाख (₹ 10 हजारची 30 बक्षिसे) — तिसरे बक्षीस ₹ 5 लाख (₹ 5 हजारची 100 बक्षिसे)
सागरलक्ष्मी सोडत दिनांक 09/12/2024 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. — प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

फ्लैगशिप योजनाओं के लिए अलग वॉररूम

मुख्यमंत्री फडणवीस की घोषणा

सरकार के आगामी मार्गदर्शन की दिशा स्पष्ट

मुंबई.

महाराष्ट्र एक असिमित ताकद वाला राज्य है। अब हम नंबर एक पर हैं, इसलिए अब रुकना नहीं चाहिए, ऐसा मंत्र मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के सचिवस्तरीय अधिकारियों को दिया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पुरानी पुण्याई तो है, लेकिन नई पुण्याई फिर से हासिल करनी होगी। इसी दौरान, मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के लिए एक अलग वॉररूम शुरू करने का निर्देश भी दिया। विधानभवन में मुख्यमंत्री फडणवीस ने अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की विशेष समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने सरकार की आगामी कार्ययोजना की दिशा को स्पष्ट किया।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पारदर्शिता, गतिशीलता और प्रामाणिकता पर अधिक ध्यान दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग का पूरी तरह से उपयोग करते हुए राज्य की प्रगति को तेज किया जाए। इसके लिए अधिक समन्वय और निरंतर निगरानी की व्यवस्था बनाई जाए। उन्होंने दिल्ली में महाराष्ट्र सदन के माध्यम से इस व्यवस्था को लागू करने की बात भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मूलभूत सुविधाओं के प्रकल्पों के लिए एक वॉररूम पहले से ही है, लेकिन उसे और कार्यक्षम बनाना चाहिए। मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि इस वॉररूम में कौन से प्रकल्प होने चाहिए, इसकी पुनः संरचना की जाए। इसी तर्ज पर राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के लिए भी एक अलग वॉररूम शुरू किया जाएगा। इससे लाभ आम जनता तक तेजी से पहुंचेगा। इसके लिए जनता दरबार, लोकशाही दिन जैसे कार्यक्रमों को गति दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इन कार्यक्रमों को तळागाळ तक पहुंचाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की सभी वेबसाइट्स को आरटीआई फ्रेंडली बनाने का निर्देश भी दिया। उन्होंने 'इज ऑफ लिविंग' पर जोर दिया और कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि राज्य

भर के नागरिकों को किस कारण से सेवाओं की आवश्यकता है और कैसे उन्हें घर बैठे सेवाएं मिल सकती हैं। इसके लिए छह-छह महीने के दो टप्पों में उद्देश्य निर्धारित किए जा सकते हैं। इसके लिए रिटायर्ड अधिकारियों के अनुभव का लाभ लिया जा सकता है और उनकी एक समिति बनाकर अध्ययन रिपोर्ट तैयार की जा सकती है।

कर्मचारियों की शिकायतों को प्राथमिकता देने की बात भी मुख्यमंत्री ने की। उन्होंने निर्देश दिया कि कर्मचारी सीधे सचिवों से संवाद करें और उनके मुद्दों का समाधान किया जाए। नए नियुक्त कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए, ताकि वे अपनी सेवाओं से संबंधित जिलों में कार्य करने में सक्षम हो सकें। मुख्यमंत्री फडणवीस ने नागरिकों को सुविधाएं देने और प्रशासनिक कामकाज में अधिक से अधिक तकनीकी उपयोग की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग को 100 दिन का कार्यक्रम तैयार करना होगा और उसे सादर प्रस्तुत करना होगा।

सभी विभागों के पोर्टल अपडेट होंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का पोर्टल फिर से पूरी क्षमता से चलाना होगा। जिल्हों के पालक सचिवों को निर्देश दिया गया कि वे अपने जिलों के दौरे शुरू करें और वहां अपने अनुभव का लाभ उन जिलों को दें। सभी विभागों के पोर्टल को अपडेट किया जाए और उन्हें प्रभावी बनाया जाए। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाए कि लोगों को संभवतः घर बैठे सभी सेवाएं मिल सकें। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जो विभाग अच्छा काम करेंगे, उन्हें मंत्रिमंडल की बैठक में सम्मानित किया जाएगा।

सुधार गृह में 18 वर्षीय युवक का उत्पात

> केयरटेकर पर किया हमला

मुंबई. हत्या के आरोप में डोंगरी किशोर सुधार गृह में हिरासत में लिए गए 18 वर्षीय युवक ने शनिवार को कथित तौर पर 'गृहपाल' (खाना बांटने के लिए जिम्मेदार केयरटेकर) और सुरक्षा कर्मचारियों पर हमला किया. कथित तौर पर उसने घटना के दौरान एक टेलीविजन को भी नुकसान पहुंचाया और खुद को भी घायल कर लिया.

50 वर्षीय केयरटेकर द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, डोंगरी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिसमें धारा 132, 352, 351(3), 115(2) और धारा 3 शामिल है, जो सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने

से संबंधित है.

यह घटना शाम करीब 4 बजे हुई, जब केयरटेकर सुरक्षा और पुलिस कर्मचारियों के साथ नाश्ता बांट रहा था. आरोपी ने कथित तौर पर अपने कमरे की सलाखों के जरिए हाथ बढ़ाकर एक सुरक्षा गार्ड के सिर पर वार किया. जब केयरटेकर बीच-बचाव करने के लिए आगे बढ़ा, तो लड़के ने उसका कॉलर पकड़ लिया और उसका गला घोंटने की कोशिश की. डोंगरी पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी के अनुसार, घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव किया और केयरटेकर को बचाया.

2,500 परिवारों के पुनर्वास में देरी

> पुल का निर्माण अटका

मुंबई. अंधेरी पश्चिम में मिल्लत नगर और गोरेगांव पश्चिम में भगत सिंह नगर के बीच एक पुल का निर्माण पिछले दो साल से अटका हुआ है. बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) अभी भी उच्च न्यायालय से मंजूरी का इंतजार कर रहा है, जिसमें सबसे बड़ी चुनौती भगत सिंह नगर में 2,500 परिवारों को स्थानांतरित करना है.

बीएमसी के रिकॉर्ड के अनुसार, ओशिवारा क्रीक पर 500 मीटर लंबे केबल-स्टेड पुल को 2022 के अंत में मंजूरी दी गई थी. 418.35 करोड़ रुपये की लागत वाले छह लेन के पुल का उद्देश्य न्यू लिंक रोड पर यातायात को कम करना है. यह अंधेरी लोखंडवाला से वाहन चालकों के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगा. पुल मिल्लत नगर में मस्जिद अल सलाम चौक से शुरू होगा और भगत सिंह नगर में समाप्त होगा. निर्माण शुरू होने के चार साल बाद इस परियोजना के पूरा होने की उम्मीद है.

पिछले दो सालों में बीएमसी को सभी ज़रूरी पर्यावरण मंज़ूरियाँ मिल गई हैं, लेकिन उसे अभी भी बॉम्बे हाई कोर्ट से अंतिम मंज़ूरी का इंतज़ार है. बीएमसी अधिकारियों का कहना है कि मामले की सुनवाई जल्द ही होगी. उन्होंने यह भी बताया कि भगत

सिंह नगर का उत्तरी हिस्सा सड़क पर लगभग 450 ढाँचों से अवरुद्ध है और जिस इलाके में नई सड़क जुड़ेगी, वहाँ लगभग 1,600 और ढाँचे हैं.

नागरिक कार्यकर्ता पुल परियोजना में देरी की जाँच की माँग कर रहे हैं. कार्यकर्ता अनिल गलगली ने कहा कि किसी भी परियोजना को मंज़ूरी देने से पहले रास्ते में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाना चाहिए. दो हज़ार से ज़्यादा झुग्गियों का पुनर्वास कुछ दिनों में पूरा होने वाला काम नहीं है. इस तरह की देरी से सिर्फ़ परियोजना की लागत बढ़ती है. उन्होंने कहा कि यह खराब नियोजन का एक उदाहरण है जिसकी जांच की आवश्यकता है. अंधेरी पश्चिम के निवासी धवल शाह ने कहा, "लिंक रोड पर बना पुल बहुत पुराना है और इसे कभी भी मरम्मत के लिए बंद किया जा सकता है. वैकल्पिक मार्ग की तत्काल आवश्यकता है." शाह ने कहा, "लिंक रोड पर भी बहुत अधिक ट्रैफिक जाम है. नया पुल इस भीड़भाड़ को कम करने में मदद करेगा.

बीड के सरकारी अस्पताल में नकली दवा

> चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

बिड.

बीड जिले में एक सरकारी अस्पताल को नकली दवा की आपूर्ति करने के आरोप में अधिकारियों ने चार व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा अंबाजोगाई में स्वामी रामानंद तीर्थ अस्पताल में की गई गहन जांच के बाद 5 दिसंबर को मामला दर्ज किया गया. स्वामी रामानंद तीर्थ मेडिकल कॉलेज और अस्पताल अंबाजोगाई में एक प्रमुख स्वास्थ्य सुविधा है, जो बीड और आसपास के जिलों से मरीजों को आकर्षित करती है. एफडीए की जांच के दौरान, यह पाया गया कि आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली एंटीबायोटिक एज़िथ्रोमाइसिन की गोलियां नकली पाई गईं.

रिपोर्ट के मुताबिक जांच में शामिल एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, नकली दवाओं को 1940 के औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम और 1945 में स्थापित संबंधित नियमों के तहत जब्त किया गया था. जांच में पता चला

कि नकली दवा की 50 लाख से अधिक गोलियां महाराष्ट्र और गुजरात के चार आपूर्तिकर्ताओं से खरीदी गई थीं. पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, इन आपूर्तिकर्ताओं पर अब भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत धोखाधड़ी, बेईमानी से दूसरों को संपत्ति देने के लिए प्रेरित करने, जालसाजी और दवाओं को एक अलग दवा या तैयारी के रूप में अवैध रूप से बेचने के आरोप हैं.

नकली दवा की खोज के बाद, स्वामी रामानंद तीर्थ अस्पताल के अधिकारियों ने तुरंत इन गोलियों के उपयोग को रोक दिया. अंबाजोगाई मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के डीन शंकर धपटे ने प्रेस को दिए एक बयान में पुष्टि की कि प्रभावित दवा के सभी उपयोग को तुरंत रोक दिया गया था, यह सुनिश्चित करते हुए कि आगे किसी भी मरीज को नकली एज़िथ्रोमाइसिन नहीं दिया जाएगा.

यह मामला भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में नकली दवाओं के बढ़ते मुद्दे के बारे में चिंताओं को बढ़ाता है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करता है. वितरण और आपूर्ति श्रृंखला की पूरी सीमा निर्धारित करने के साथ-साथ किसी भी अन्य प्रभावित स्वास्थ्य सुविधाओं की पहचान करने के लिए अधिकारी अपनी जांच जारी रख रहे हैं. एफडीए और पुलिस ने नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा के लिए ऐसी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की शपथ ली है.

व्यक्ति के साथ शेयर निवेश में लाखों की धोखाधड़ी

मुंबई. पुलिस ने सोमवार को बताया कि नवी मुंबई के 60 वर्षीय एक व्यक्ति को साइबर जालसाजों ने शेयरों में निवेश करने का लालच देकर 58 लाख रुपये की ठगी की है. पुलिस के अनुसार, पीड़ित, जो एक डिजाइन सलाहकार है, को अक्टूबर में जालसाजों ने शेयर निवेश पर आकर्षक रिटर्न का आकर्षक प्रस्ताव दिया था. एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार कथित तौर पर संदिग्धों ने व्यक्ति को ऑनलाइन लिंक भेजे, जिसमें उसे कथित निवेश के लिए पैसे जमा करने का निर्देश दिया गया था. हालांकि, जब व्यक्ति ने बाद में अपने फंड और अपेक्षित रिटर्न के बारे में पूछताछ करने की कोशिश की, तो जालसाज कोई संतोषजनक जवाब देने में विफल रहे, जिससे संदेह पैदा हुआ.

रिपोर्ट के मुताबिक एक अधिकारी ने कहा कि आरोपियों ने एक प्रसिद्ध राष्ट्रीयकृत बैंक के शेयर ट्रेडिंग डिवीजन से जुड़े होने का दावा किया, जिससे पीड़ित को उनके प्रस्ताव की वैधता का और अधिक विश्वास हो गया. पीड़ित द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, साइबर पुलिस ने शुक्रवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम

की धारा 336 (3) (जालसाजी), 318 (4) (पहचान बताकर धोखाधड़ी) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया.

पीड़ित के खाते के अनुसार, कथित निवेश के लिए कई जमा करने के बाद, उसने 16 अक्टूबर से 28 नवंबर के बीच कुल 58 लाख रुपये खो दिए. जालसाजों ने उसे एक निवेश विवरण प्रस्तुत किया, जिसमें 5.12 करोड़ रुपये का खाता शेष दिखाया गया था. हालांकि, जब पीड़ित ने राशि निकालने का प्रयास किया, तो उसे बताया गया कि उसे अपने धन तक पहुँचने के लिए अतिरिक्त 50.8 लाख रुपये का भुगतान करना होगा. शिकायतकर्ता ने धोखाधड़ी की सीमा का एहसास होने पर, सहायता के लिए साइबर पुलिस से संपर्क किया. अधिकारियों ने मामले की जाँच शुरू कर दी है और साइबर घोटाले में शामिल अपराधियों का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं.

बदमाशों ने आरटीओ एजेंट को लूटा

डोंबिवली. डोंबिवली पुलिस स्टेशन में एक आरटीओ एजेंट को धमकाकर उससे 1 लाख रुपये वसूलने की शिकायत दर्ज की गई है. कल्याण के हाजी मलंग रोड पर आरटीओ एजेंट के रूप में काम करने वाले शिकायतकर्ता के कार्यालय में 4 व्यक्ति आए और खुद को पुलिस होने का दावा किया. उसने एजेंट से कार में अपने साथ आने को कहा. इसके बाद उन्होंने कार में एजेंट को धमकी देते हुए कहा कि उसके खिलाफ कफ परेड पुलिस स्टेशन में 4 मामले दर्ज किए गए हैं और उसे आरटीओ एजेंट के रूप में काम नहीं करने के लिए कहा. इसके बाद उसने एजेंट से कहा कि अगर इस केस से नाम वापस लेना है तो पांच लाख रुपये. इसके बाद कटाई नाका के पास एजेंट से एक लाख रुपये छीनकर कार से भाग गए. इसके बाद शिकायतकर्ता ने इस संबंध में मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी.

PUBLIC NOTICE

Pro. No. 7917 Dt. 02/12/24

IN THE COURT OF 5th JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 417

M.J.C. Case No. 1032/2024

Fixed For 11/12/2024

Applicant : 1) Purushottam S/o Sonbaji Rakshak, R/o Plot No. 14, Adiwasi Society, Beltarodi Road, Near Mahajan Hardware, Nagpur, **2) Karina D/o Purushottam Rakshak,** R/o Plot No. 14, Adiwasi Society, Beltarodi Road, Near Mahajan Hardware, Nagpur, **3) Vandana W/o Vilas Dhage,** R/o House No. 20, Ward No. 3, Mouza Jamtha, Wardha Road, Nagpur, **4) Manisha W/o Jiwan Gawali,** R/o Galbardi, Ward No. 4, Mohpa, Nagpur. **--Versus--**

Non-Applicants: Nil

Name of Deceased: 1) Hira Purushottam Rakshak, Died On: 14/05/2021, R/o Beltarodi Road, Near Mahajan Hardware, Gondwana Nagar, Nagpur.

Whereas **Hira Purushottam Rakshak, Died On: 14/05/2021,** R/o Beltarodi Road, Near Mahajan Hardware, Gondwana Nagar, Nagpur. and Whereas **Purushottam S/o Sonbaji Rakshak & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**

This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Purushottam S/o Sonbaji Rakshak & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **5th Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **11th Day of December, 2024** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, that **30th day of November, 2024.**

Seal **By order of the Court**
Asstt. Supdt. (T.W.)
Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.

Prasanna Publicity 09326927622

समाजवादी पार्टी के बीच बढ़ती तकरार

> यूबीटी पर हिंदुत्ववादी भूमिका बरकरार रखने का आरोप

मुंबई.

उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) पर हिंदुत्ववादी भूमिका बरकरार रखने का आरोप लगाकर महा विकास आघाडी से नाता तोड़ने वाली समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच तकरार बढ़ती जा रही है। सपा के महाराष्ट्र अध्यक्ष अबू आसिम आज़मी ने शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) पर जो आरोप लगाए थे, उनके जवाब में शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र में सपा को बीजेपी की बी टीम कह दिया। इसके जवाब में सपा के विधायक रईस शेख ने शिवसेना (यूबीटी) से पूछा कि पहले ये बताओ कि भायखला, वर्ली और बांद्रा पूर्व जैसे इलाकों में जो वोट शिवसेना यूबीटी को मिले

हैं, वे किसके हैं? आदित्य ठाकरे ने आज़मी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उत्तरप्रदेश में अखिलेश यादव जो समाजवादी पार्टी चला रहे हैं, वह महाराष्ट्र की समाजवादी पार्टी से बहुत अलग है। यूपी में अखिलेश की सपा इंडिया अलायंस का नेतृत्व कर रही है और यहां महाराष्ट्र में जो लोग सपा का नेतृत्व कर रहे हैं, वे बीजेपी की बी टीम की तरह काम कर रहे हैं। हमने उन लोगों को विधानसभा में भी देखा है और हाल के चुनावों में भी उन्हें बीजेपी की बी टीम की तरह काम करते देखा है। लेकिन फिलहाल मैं इस विषय को ज्यादा खींचना नहीं चाहता। जहां तक उद्धव ठाकरे के या शिवसेना के हिंदुत्व का सवाल है, हमने कभी हिंदुत्व को छोड़ने की बात नहीं की।

हमारा हिंदुत्व पूरे महाराष्ट्र को पता है। हमारा हिंदुत्व सभी धर्मों और समाज को साथ लेकर चलने वाला है। जो लोग बीजेपी की ए या बी टीम बनकर काम कर रहे हैं, वे हमें हिंदुत्व न सिखाएं। इंडिया अलायंस संविधान की लड़ाई लड़ रहा है। हम सब साथ मिलकर जनता की आवाज की लड़ाई लड़ रहे हैं। इंडिया अलायंस के नेताओं से हमारा बेहतर समन्वय है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव इंडिया अलायंस के लिए अच्छा काम कर रहे हैं।

सपा विधायक का पलटवार

शिवसेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे के इस बयान के बाद सपा के नव निर्वाचित विधायक रईस शेख ने कहा कि जब हम एक गठबंधन होते हैं तो गठबंधन का एक समान कार्यक्रम होता है। उसी पर चलना होता है। महाराष्ट्र में सपा को बीजेपी की बी टीम कहने से पहले आदित्य ठाकरे को इस बात का जवाब देना चाहिए कि उनकी पार्टी को भायखला, वर्ली और बांद्रा पूर्व विधानसभा क्षेत्रों में जो वोट मिलें हैं, वे किस समाज के हैं?

आज़मी ने लगाया था आरोप

आज़मी ने कहा था कि हम एमवीए छोड़ रहे हैं। मैं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश सिंह यादव से बात कर रहा हूं। शिवसेना (यूबीटी) के विधान परिषद सदस्य मिलिंद नार्वेकर ने बाबरी मस्जिद ढहाए जाने की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ ही शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का कथन लिखा, 'मुझे उन लोगों पर गर्व है, जिन्होंने यह किया। पोस्ट में उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और खुद की तस्वीरें भी पोस्ट कीं।' आज़मी ने कहा, 'अगर एमवीए में कोई भी ऐसी भाषा बोलता है, तो बीजेपी और उनके बीच क्या अंतर है? हमें उनके साथ क्यों रहना चाहिए?'

भीषण हादसे में 2 ट्रेनी पायलटों की मौत, 2 गंभीर

पुणे. पुणे जिले में ड्रिंक एंड ड्राइव के कारण भीषण सड़क हादसा हुआ है। जिसमें दो ट्रेनी पायलटों की मौत हो गई और दो घायल हुए है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा जैनिकवाड़ी गांव के पास बारामती भिगवान रोड पर हुआ। इस दुर्घटना में 2 ट्रेनी पायलटों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

पुणे ग्रामीण पुलिस के मुताबिक, बारामती-भिगवान रोड पर देर रात करीब साढ़े तीन बजे यह दुर्घटना हुई। पीड़ित बारामती के एक निजी विमानन अकादमी के प्रशिक्षु पायलट हैं। प्राथमिक जांच से पता चला है कि चारों नशे में थे और चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे तेज रफ्तार कार पलट गई। मामले की आगे की जांच जारी है।

बारामती स्थित 'रेडबर्ड फ्लाइट ट्रेनिंग अकादमी' के ट्रेनी पायलटो ने अपने कमरे में छोटी सी पार्टी की, इस दौरान उन्होंने शराब भी पी। इसके बाद वें एसयूवी में घूमने निकले। लेकिन भिगवान की ओर जाते समय एक मोड़ पर चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन एक पेड़ से टकराने के बाद पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रेनी पायलट तक्षु शर्मा (21 वर्ष)) और आदित्य कनासे (21 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई।

आज का राशिफल

मेष -आज का दिन रोजगार की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है, उन्हें किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है।

वृषभ-आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आप किसी काम को लेकर पूरी मेहनत दिखाएंगे.

मिथुन -आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपकी कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं को गति मिलेगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए पारिवारिक समस्याओं पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आज आपकी मनमौजी स्वभाव के कारण परिवार के सदस्य भी आपसे परेशान रहेंगे।

कन्या -आज का दिन आपके लिए कठिनाइयों भरा रहने वाला है। बिजनेस में आपका कोई डील फाइनल होते-होते अटक सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा।

वृश्चिक -आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहने वाला है। आपको कामों को पूरा करने के लिए मेहनत अधिक रहेगी।

धनु-आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको किसी काम को लेकर कार्य क्षेत्र में दूसरों पर डिपेंड नहीं रहना है।

मकर-आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह में आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा।

कुंभ -आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर रहने के लिए रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति को लेकर भी आपका थोड़ी टेंशन रहेगी।

महाराष्ट्र चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन खतरे में

>शरद पवार अब कांग्रेस से दूरी बनाना चाहते

मुंबई. इंडिया गठबंधन के नेतृत्व के बहाने कांग्रेस पर शरद पवार के तेवर बदले-बदले से लग रहे हैं। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी पहले ही इंडिया गठबंधन के स्टेट संस्करण एमवीए से नाता तोड़ चुकी है। संभल की घटना के बाद से भी सपा और कांग्रेस के रिश्तों में गांठ ज्यादा, बंधन कम दिखाई दे रहा है। ऐसे में शरद पवार का इंडिया गठबंधन के नेतृत्व के लिए ममता बनर्जी के नाम को समर्थन देना एक नई कहानी बुनता नज़र आ रहा है। वैसे भी महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता का पद तो किसी को नहीं मिल रहा, जिससे कि विपक्ष के नाते ही सही शरद पवार को कांग्रेस का समर्थन करना पड़े।

इसी कारण इंडिया गठबंधन की अगुवाई के मामले में शरद पवार का खुलकर ममता बनर्जी पर भरोसा जताने को कांग्रेस नेतृत्व को कमजोर दिखाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। पवार के बयान को

महाराष्ट्र में भी कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए शरद पवार ने ममता बनर्जी का समर्थन करते हुए कहा है कि ममता में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की क्षमता है। वे आक्रामक हैं और उन्होंने कई लोगों को खड़ा किया है। शरद पवार के इस बयान के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। बीजेपी नेता प्रवीण दरेकर ने कहा है कि ममता बनर्जी के बहाने शरद पवार यह मेसेज देना चाहते हैं कि राहुल गांधी का नेतृत्व अक्षम है और अब कांग्रेस विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने में असमर्थ है।

वहीं राजनीतकि विश्लेषक निरंजन परिहार कहते है, 'शरद पवार ने राहुल गांधी को कभी अपना नेता नहीं माना। डेढ़ साल बाद शरद पवार का राज्यसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। अब उनके पास इतने विधायक भी नहीं कि फिर से चुनकर जा सकें। ऐसे में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस के कब्जे से निकलना उनके लिए दूरगामी फायदे का हो सकता है।'

महाराष्ट्र, हरियाणा चुनाव से कांग्रेस कमजोर

कांग्रेस आज भी राहुल गांधी को ही इंडिया गठबंधन का उपयुक्त नेता मानती है। लेकिन हाल के राजनीतिक घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ें तो एक मुक्कमल तस्वीर दिखाई दे सकती है। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा के बाद कर्नाटक और तेलंगाना की जीत से कांग्रेस की जो अकड़ बढ़ी थी, उसे हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनावों ने ढीला कर दिया है। इसके बाद आम आदमी पार्टी ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान कर दिया है। संभल की घटना को लेकर जब अखिलेश की सपा के सांसद संसद के भीतर बहस कर रहे थे, कांग्रेस के सांसद बाहर प्रदर्शन कर रहे थे।

महाराष्ट्र शासन
जलसंपदा विभाग

ई- निविदा सूचना क्र.२३ सन २०२४-२५ तीसरी वेळ

कार्यकारी अभियंता, यांत्रिकी विभाग, नागपूर- ४४०००१ (दूरध्वनी क्रमांक ०७१२-२५२२४२५) हे नमुना "ड" (पीडब्लूडी ९९एम) मध्ये पुढे नमूद केलेल्या कामासाठी मूळ उत्पादक, मूळ उत्पादकाचे अधिकृत वितरक किंवा मूळ उत्पादकाचे मान्यताप्राप्त विक्रेते यांचेकडून ऑनलाईन निविदा मागवित आहेत. सदर कामाचे कोरे निविदा संच महाराष्ट्र शासनाच्या http://mahatenders.gov.in या संकेत स्थळावर उपलब्ध आहेत.

कामाचे वर्णन:- आंभोरा, ता. कुही, जि. नागपूर येथील जलपर्यटन व विकास कामाकरिता ०२ नग हॉवरक्राफ्ट व १ नग बोट विथ पॅरासिलिंग विंच SUPPLY, TESTING, REGISTRATION & COMMISSIONING करण्याचे कामे.

अंदाजित किंमत (रू.):- रू. ७,४७,५२,४७५/-

को-या निविदा संचाची किंमत (रू.):-रू. १०,०००/-

निविदा कार्यवाहीचा तपशील व ई-निविदा वेळापत्रक खालीलप्रमाणे आहे.

१	निविदा डाउनलोड करणे व तयार करणे कालावधी	दि.१०/१२/२०२४ (११.०० वाजेपासुन) ते दि.२०/१२/२०२४ (१८.०० वाजेपर्यंत)
२	शंका प्राप्त करुन घेणे	दि.१०/१२/२०२४ (११.०० वाजेपासुन) ते दि.१३/१२/२०२४ (१८.०० वाजेपर्यंत)
३	निविदा सादर करणेचा कालावधी (तांत्रिक व दराबाबतची निविदा कार्यवाही)	दि.१०/१०/२०२४ (११.०० वाजेपासुन) ते दि.२०/१२/२०२४ (१८.०० वाजेपर्यंत)
४	निविदा उघडण्याचा दिनांक व वेळ	दि.२३/१२/२०२४ सकाळी १०.०० वाजता (शक्य झाल्यास) व पुढे प्रक्रिया पुर्ण होईपर्यंत
५	सविस्तर निविदा सुचना महाराष्ट्र शासनाच्या http://mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे.	

सुचना:- इ.एम.डी. रक्कम व निविदा अर्ज किंमत इ. ऑनलॉइन पध्दतीनेच भरणे आवश्यक आहे. कृपया निविदाकारांनी www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावरील सुचनेप्रमाणे ऑनलॉइन पेमेंट करणे आवश्यक आहे.
सदर बाबत शंका समाधानाकरीता निम्न नमुद केल्यानुसार संपर्क करण्यात यावा.
१) **एन.आय.सी. २४४७ मदतकक्ष दुरध्वनी क्र.** १८०० ३०७० २२३२ भ्रमणध्वणी क्र. ०७८७८१०७९८५/८६
२) कार्यकारी अभियंता, यांत्रिकी विभाग, नागपूर-४४०००१ फोन नं. ०७१२-२५२२४२५

स्वा./-
कार्यकारी अभियंता,
यांत्रिकी विभाग
नागपूर

क्रमांक : आरओसी 2024-25 क्र.5/C४९४८

सुविचार

जो बुरा लगे उसे त्याग दो फिर चाहे वो विचार हो कर्म हो या मनुष्य

संपादकीय

मुश्किल में आईएनडीआईए चुनावी नाकामियों ने दरार बढ़ाई

महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष और बयानबाजी विपक्ष के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं। महाराष्ट्र में सपा का शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ना भले राज्य की सियासत पर असर न डाले, लेकिन इसके गहरे मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का आईएनडीआईए. को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विपक्ष में सबसे ज्यादा कमी दिखाई देती है आम सहमति की। सीटों से लेकर मुद्दों तक, दोस्त दलों के बीच कहीं एकजुटता नहीं दिखती। यह बात इस शीतकालीन सत्र में भी साबित हो गई, जब अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। दरअसल, यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपने स्पेस के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय सियासत की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा है। देखा जाए तो समय-समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बनी थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो नहीं होता। महाराष्ट्र इलेक्शन के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में आप और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं है। ऐसा नैशनल अलायंस समझ से बाहर है, जिसमें इतने अंतर्विरोध हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है। गठबंधन चलता है समझौतों से, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें। यहां सवाल है कि कौन समझौता करेगा? अभी तक तो यही हुआ कि जहां जो दल मजबूत था, वहां उसने दूसरे सहयोगी दलों को अपने बात मनवाने की कोशिश की। कांग्रेस पर सबसे बड़ा आरोप यही है। विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि आम चुनाव के बाद वह जितना एकजुट और मजबूत नजर आ रहा था, अब उतना ही बिखरा दिख रहा है। जम्मू-कश्मीर और झारखंड की जीत इतनी बड़ी नहीं है, जो बाकी हार को छुपा सके। इन दोनों राज्यों में भी अलायंस की जीत में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका रही और कांग्रेस की कम। इसलिए अब विपक्षी अलायंस के नेतृत्व को लेकर भी उसे चुनौतियां मिल रही हैं। खैर, आने वाले चुनाव विपक्षी अलायंस के भविष्य के लिए भी अहम हैं। विपक्ष की मजबूती उसके खुद के लिए ही नहीं, एक मजबूत लोकतंत्र के लिए भी जरूरी है।

लोकतंत्र और राजनीतिक भागीदारी: भारतीय मुसलमानों के लिए विकास का सबसे छोटा रास्ता

भारत विविध संस्कृतियों, धर्मों और समुदायों का देश है, जिनमें से प्रत्येक इसके समृद्ध सामाजिक ताने-बाने में योगदान देता है। इन समुदायों में, भारतीय मुसलमान सबसे बड़े अल्पसंख्यकों में से एक हैं, जो देश की आबादी का लगभग 14% हिस्सा बनाते हैं। अपनी महत्वपूर्ण संख्या के बावजूद, भारतीय मुसलमानों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, खासकर सामाजिक-आर्थिक विकास और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में। जबकि ये चुनौतियाँ ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक कारकों में गहराई से निहित हैं, राजनीतिक भागीदारी, विशेष रूप से लोकतांत्रिक चैनलों के माध्यम से, उनके सशक्तिकरण और विकास की ओर सबसे छोटा और सबसे प्रभावी मार्ग प्रदान करती है। लोकतंत्र, अपने सबसे आवश्यक रूप में, सभी नागरिकों को राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक व्यक्ति, चाहे उसका धर्म या पृष्ठभूमि कुछ भी हो, उसे वोट देने, अपनी चिंताओं को व्यक्त करने और सार्वजनिक नीति को प्रभावित करने का अधिकार है।

भारतीय मुसलमानों के लिए, यह लोकतांत्रिक ढांचा देश के राजनीतिक जीवन में सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर प्रदान करता है- ऐसा कुछ जो ठोस सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन ला सकता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत में मुसलमानों के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व एक प्रमुख मुद्दा रहा है। देश के लोकतांत्रिक लोकाचार के बावजूद, मुस्लिम अक्सर खुद को राजनीतिक विमर्श में हाशिए पर पाते हैं। यह हाशिए पर आर्थिक असमानताओं, शैक्षिक अंतराल और सामाजिक बहिष्कार से और भी बढ़ जाता है। हालाँकि, लोकतंत्र बदलाव के लिए एक तंत्र प्रदान करता है, क्योंकि यह उन नीतियों के निर्माण की अनुमति देता है जो इन मुद्दों को संबोधित कर सकती हैं जब मुस्लिम सक्रिय रूप से राजनीतिक प्रक्रियाओं में भाग लेते हैं। राजनीतिक भागीदारी केवल मतदान तक सीमित नहीं है; इसमें दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली नीतियों के निर्माण में सक्रिय भागीदारी शामिल है। एक लोकतांत्रिक प्रणाली में, चुने हुए प्रतिनिधियों का उद्देश्य अपने निर्वाचन क्षेत्रों की चिंताओं को प्रतिबिंबित करना होता है।

हालाँकि, जब अल्पसंख्यक समुदाय, जैसे कि भारतीय मुस्लिम, सक्रिय रूप से भाग नहीं लेते हैं या ऐसे प्रतिनिधियों को चुनने में विफल रहते हैं जो वास्तव में उनकी ज़रूरतों को समझते हैं, तो उनकी चिंताएँ अक्सर अनसुलझी रह जाती हैं। भारत में मुसलमानों के विकास को प्रभावित करने वाले सबसे सीधे तरीकों में से एक सरकार के सभी स्तरों पर बेहतर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है। जब मुसलमानों के लिए चिंता व्यक्त करने वाले नेता स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय कार्यालयों में चुने जाते हैं, तो वे ऐसी नीतियों की वकालत कर सकते हैं जो मुस्लिम समुदाय के भीतर गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे विशिष्ट मुद्दों को संबोधित करती हैं। उदाहरण के लिए, यदि मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व ऐसे नेताओं द्वारा किया जाता है जो समुदाय की ज़रूरतों को समझते हैं, तो वे गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच में सुधार और रोज़गार के अवसर पैदा करने के लिए संसाधनों के बेहतर आवंटन पर ज़ोर दे सकते हैं। यह ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जहाँ मुस्लिम अक्सर सार्वजनिक सेवाओं तक अपर्याप्त पहुँच से पीड़ित होते हैं। मुस्लिम आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जागरूकता की कमी या व्यवस्था में विश्वास की कमी के कारण राजनीतिक प्रक्रिया से अलग रहता है। मतदाताओं को उनके अधिकारों, मतदान के महत्व और विभिन्न राजनीतिक विकल्पों के निहितार्थों के बारे में शिक्षित करने से भागीदारी बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

जमीनी स्तर के संगठन और नागरिक समाज समूह मुसलमानों को राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ये संगठन स्थानीय मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, समुदाय के सदस्यों को राजनीतिक नेताओं से जोड़ने और स्थानीय शासन में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए काम कर सकते हैं। मुस्लिम समुदाय के भीतर से ऐसे नेताओं को प्रोत्साहित करना और विकसित करना जो राजनीतिक क्षेत्र में उनके हितों का प्रभावी ढंग से प्रतिनिधित्व कर सकें, महत्वपूर्ण है। मुसलमानों के सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों दोनों से अच्छी तरह वाकिफ़ नए नेताओं को बढ़ावा देकर, समुदाय को अधिक प्रामाणिक और प्रभावी प्रतिनिधित्व मिल सकता है।

रेशम फातिमा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध में परास्नातक, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

मानव अधिकार और हम

एड. डॉ. घपेश ढवळे

मानव अधिकार क्या हैं? मानवाधिकार दिवस हर साल 10 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा मनाया जाता है। यह उस दिन की याद दिलाता है जब 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यूडीएचआर जो 10 दिसंबर 2024 को 76 वर्ष का हो जाएगा, सभी अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का आधार बना हुआ है। इसके 30 अनुच्छेद वर्तमान और भविष्य के मानवाधिकार सम्मेलनों, संधियों और अन्य कानूनी साधनों के सिद्धांत और निर्माण खंड प्रदान करते हैं। मानवाधिकारों को सामान्य तौर पर प्राकृतिक अधिकार, नैतिक अधिकार, कानूनी अधिकार, नागरिक अधिकार, मौलिक अधिकार और आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार की श्रेणियों में बांटा गया है।

सामान्य रूप से मानवाधिकारों को देखा जाए तो मानव जीवन में भोजन पाने का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीड़न पर ,अंकुश महिलाओं के लिए घरेलू हिंसा से सुरक्षा, उसके शारीरिक शोषण पर अंकुश, प्रवास का अधिकार, धार्मिक हिंसा से रक्षा आदि को लेकर बहुत सारे कानून बनाए गए हैं जिन्हें मानवाधिकार की श्रेणी में रखा गया है। भाषा और विचार प्रकट करने की स्वतंत्रता का अधिकार, जमा होने संघ या यूनियन बनाने, आने-जाने, निवास करने और कोई भी जीविकोपार्जन एवं व्यवसाय करने की स्वतंत्रता का अधिकार (इनमें से कुछ अधिकार राज्य की सुरक्षा, विदेशी देशों के साथ भिन्नतापूर्ण संबंध सार्वजनिक व्यवस्था, शालीलनता और नैतिकता के अधीन दिए जाते हैं. मानवाधिकार रक्षक वह व्यक्ति है जो व्यक्तिगत रूप से या दूसरों के साथ मिलकर मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए कार्य करता है। मानवाधिकार रक्षकों (एचआरडी) के उदाहरणों में पत्रकार, ब्लॉगर, मानवाधिकार एनजीओ के सदस्य, शिक्षाविद, वकील, ट्रेड यूनियनवादी, स्वदेशी समुदायों के प्रतिनिधि शामिल हैं। धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता प्रत्येक व्यक्ति को धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता का अधिकार है।

धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता के अधिकार में अपने धर्म या विश्वास को बदलने की स्वतंत्रता तथा अकेले या दूसरों के साथ मिलकर तथा सार्वजनिक या निजी रूप से अपने धर्म या विश्वास को शिक्षा, व्यवहार, पूजा और पालन में प्रकट करने की स्वतंत्रता शामिल है। धार्मिक असहिष्णुता और भेदभाव अक्सर संघर्ष का आधार और उससे पहले होता है। धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता पर यूरोपीय संघ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, यूरोपीय संघ सभी के लिए बढ़ावा देने और उसकी रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। यूरोपीय संघ धार्मिक अल्पसंख्यकों और समुदायों से संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ उत्पीड़न, भेदभाव और हिंसा की निंदा करता है, जबकि व्यक्तियों के अपने धर्म या विश्वास को प्रकट करने, धर्म या विश्वास को बदलने या छोड़ने के अधिकार का बचाव करता है। अपने द्विपक्षीय कार्यों तथा बहुपक्षीय मंचों पर यूरोपीय संघ ने धर्मत्याग और ईशनिंदा के अपराधीकरण के साथ-साथ धार्मिक समूहों के आधिकारिक पंजीकरण में बाधा डालने वाले कानून के संबंध में चिंता जताई है।यूरोपीय संघ की बाह्य कार्र वाई के मूल में मानवाधिकार और लोकतंत्र बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में यूरोपीय संघ मानवाधिकारों का मज़बूत रक्षक बना हुआ है। नई भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विताएँ केवल एक विश्वसनीय और स्थिर भागीदार और नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के चैंपियन के रूप में इसकी भूमिका को रेखांकित करती हैं।

हालाँकि इस दिशा में बहुत प्रगति हुई है, लेकिन सार्वभौमिकता और मानवाधिकारों की अविभाज्यता के खिलाफ़ प्रतिरोध और लोकतंत्र में पिछड़ेपन को संबोधित किया जाना चाहिए। डिजिटल तकनीक और जलवायु परिवर्तन जैसी नई चुनौतियाँ मानवाधिकारों के साथ जुड़ी हुई हैं और इसलिए नए सिरे से दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

यूरोपीय संघ मानवाधिकार रक्षकों और नागरिक समाज के सशक्तिकरण में निवेश करता है जो मानवाधिकारों को बढ़ावा देते हैं और उनकी रक्षा करते हैं। हर साल, यूरोपीय संघ यूरोपीय संघ-एनजीओ मानवाधिकार मंच का आयोजन करता है जहां नागरिक समाज संगठन और मानवाधिकार रक्षक मानवाधिकारों पर यूरोपीय संघ की बाह्य नीतियों को मजबूत बनाने के बारे में अपने विचार साझा करते हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर विशिष्ट यूरोपीय संघ दिशानिर्देश अपनाए हैं। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में तकनीकी नवाचारों ने व्यक्तियों के लिए अपनी राय को बड़े पैमाने पर दर्शकों के साथ साझा करने के नए अवसर पैदा किए हैं और राजनीतिक भागीदारी और सूचना तक पहुँच को बढ़ाया है। हालाँकि, नवाचारों ने ऑनलाइन सेंसरशिप, अभद्र भाषा और निगरानी जैसी नई चुनौतियाँ भी लाई हैं। "नकली समाचार" और गलत सूचना अभियानों के बारे में कथाएँ स्वतंत्र रूप से राय बनाने की हमारी क्षमता को प्रभावित करती हैं।

ऑफ़लाइन मौजूद सभी मानवाधिकारों की ऑनलाइन भी सुरक्षा की जानी चाहिए। ऑनलाइन गलत सूचनाओं से निपटने के लिए यूरोपीय संघ के उपायों की पृष्ठभूमि में, फ़ेसबुक, गूगल, ट्विटर जैसे कई बड़े ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म ने नफ़रत फैलाने वाले भाषण पर स्व-नियामक आचार संहिता पर यूरोपीय संघ के साथ सहमति व्यक्त की है।और गलत सूचना.

मानव संसाधन विकासकर्ता दूसरों के अधिकारों के लिए खड़े होते हैं, यही कारण है कि उन्हें और उनके परिवारों की सुरक्षा करना बहुत ज़रूरी है। वे अक्सर ऐसा बहुत बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर करते हैं। राज्यों और गैर-राज्य अभिनेताओं द्वारा किए गए मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ़ खड़े होने पर, मानव संसाधन विकासकर्ताओं को शारीरिक हमलों, उत्पीड़न, बदनामी के अभियान, मनमाने ढंग से हिरासत में लिए जाने, यातना और हत्याओं सहित गंभीर खतरों का सामना करना पड़ता है।

जैसा कि मानवाधिकार रक्षकों पर यूरोपीय संघ के दिशानिर्देशों में बताया गया है, यूरोपीय संघ खतरे में पड़े मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की दृश्यता और मान्यता बढ़ाकर तथा उनके सामने आने वाले खतरों के खिलाफ सार्वजनिक रूप से आवाज उठाकर उनकी सुरक्षा के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। नागरिक समाज संगठनों के साथ मिलकर यूरोपीय संघ ने प्रोटेक्ट डिफेंडर्स की स्थापना कीतंत्र: तत्काल जोखिम का सामना करने वाले मानव संसाधन विकास व्यक्तियों के लिए एक 24/7 हॉटलाइन, जो कानूनी प्रतिनिधित्व, चिकित्सा लागत और सुरक्षा उपायों सहित कई तरह के उपायों को वित्तपोषित कर सकती है।

यूरोपीय संघ के पास कई तरह के उपकरण हैं जिनका उपयोग वह जोखिम में मानव संसाधन विकास व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए कर सकता है, जिसमें परीक्षण अवलोकन या हिरासत में मुलाक़ातें शामिल हैं, जबकि जोखिम में मानव संसाधन विकास व्यक्तियों के व्यक्तिगत मामलों को उठाने के लिए सार्वजनिक और निजी कूटनीति का उपयोग किया जाता है! चाहे वह मानवीय या संघर्ष की स्थिति, स्कूल, गरीबी, विस्थापन या प्रवास का संदर्भ हो, यूरोपीय संघ अपनी सभी बाह्य नीतियों में बाल अधिकारों को मुख्यधारा में लाता है, क्योंकि ऐसे बहुत कम मुद्दे हैं जो बाल अधिकारों से संबंधित न हों। बच्चों में निवेश का मतलब है भविष्य में निवेश करना: यह गरीबी के चक्र को तोड़ने के लिए महत्वपूर्ण है। सम्मेलन ने यूरोपीय संघ को यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कानून और नीतियों को अपनाने और बदलने के लिए प्रेरित किया कि सभी बच्चे अपने अधिकारों का पूरा आनंद ले सकें। बच्चे के सर्वोत्तम हितों के प्रति समर्पण, गैर-भेदभाव, बच्चे के विचारों का सम्मान, और जीवन, अस्तित्व और विकास का उनका अधिकार।बाल अधिकारों और सशस्त्र संघर्ष में बच्चों पर यूरोपीय संघ के दिशा-निर्देशों को लागू करना जारी रखता है। सीरियाई संकट के जवाब में, यूरोपीय संघ ने उदाहरण के लिए बैक टू द फ्यूचर को वित्त पोषित कियालेबनान और जॉर्डन में शरणार्थी बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए परियोजना। बाल अधिकारों पर यूरोपीय संघ की रणनीतिइस परियोजना को 10,000 से अधिक बच्चों के योगदान से विकसित किया गया है तथा इसमें बच्चों के समर्थन, तथा यूरोपीय संघ के अंदर और विश्व स्तर पर उनके अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए नई कार्रवाइयों का प्रस्ताव किया गया है। यूरोपीय संघ अंतर-धार्मिक और अंतर-धार्मिक हिंसा को रोकने और अंतर-धार्मिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। समुदाय-आधारित पहल जैसे समाज में धर्म पर वैश्विक आदान-प्रदान जैसी कुछ प्रमुख पहलयह आज के समय में अक्सर हावी रहने वाले सभ्यताओं के टकराव के ध्रुवीकरण की कहानी का मुकाबला करने के लिए अंतर-धार्मिक सह-अस्तित्व के सकारात्मक उदाहरणों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है।

इसका उद्देश्य अपने समाजों में सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने में प्रमुख अभिनेताओं को सशक्त बनाना है। यूरोपीय संघ बहुपक्षीय स्तर पर मानवाधिकारों के सार्वभौमिक संवर्धन और संरक्षण में अग्रणी है। मानवाधिकार बहुपक्षवाद के केंद्र में हैं और संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का एक मजबूत घटक हैं। बहुपक्षीय संस्थाओं के लिए घटते समर्थन के संदर्भ में, यूरोपीय संघ प्रभावी बहुपक्षवाद और नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था का कट्टर समर्थक बना हुआ है, जो वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक जवाब देने के लिए महत्वपूर्ण है। बहुपक्षीय स्तर पर मानवाधिकारों के सार्वभौमिक प्रचार और संरक्षण में अग्रणी है, मुख्य रूप से संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति के माध्यम से। यूरोपीय संघ मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय, यूरोप परिषद, यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन, विशेष संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन जैसे अन्य संगठनों का भी सक्रिय रूप से समर्थन करता है। मानवाधिकार संरक्षण और मानक-निर्धारण तथा मानवाधिकार उल्लंघनों की रिपोर्टिंग, निगरानी और निंदा के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार तंत्रों का समर्थन करता है, जैसे कि विषयगत और देश-विशिष्ट वक्तव्य और संकल्प, जांच आयोग, तथ्य-खोज मिशन, अन्य विशेष प्रक्रियाएं और सार्वभौमिक आवधिक समीक्षा (यूपीआर)। यूरोपीय संघ का लक्ष्य दुनिया भर में समान विचारधारा वाले भागीदारों के साथ अंतर-क्षेत्रीय सहयोग करना है ताकि व्यापक समर्थन और सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।यूरोपीय संघ अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता के सबसे गंभीर अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने में सहायता करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) को दण्ड से मुक्ति के विरुद्ध लड़ाई में तथा अत्याचार के पीड़ितों को न्याय दिलाने में सहायता करने के लिए आधारशिला मानता न्यायालय की स्वतंत्रता और रोम संविधि की अखंडता की रक्षा करना जारी रखने के लिए संकल्पित है।

यूरोपीय संघ रोम संविधि और इसके पूरकता के सिद्धांत के राष्ट्रीय कार्यान्वयन को बढ़ावा देता है, विशेष रूप से राष्ट्रीय न्याय प्रणालियों को मजबूत करके। सार्वभौमिक अनुसमर्थन और न्यायालय के साथ पूर्ण सहयोग को भी प्रोत्साहित करता है। यूरोपीय संघ अंतरराष्ट्रीय चुनाव निगरानी में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त और विश्वसनीय संस्था है। वर्ष 2000 से अब तक यूरोपीय संघ ने 65 से अधिक देशों में 180 से अधिक चुनाव निगरानी मिशन (ईओएम) तैनात किए हैं। दुनिया भर में लोकतंत्र को समर्थन यूरोपीय संघ के मूलभूत सिद्धांतों के अनुरूप है: यह हमारा स्पष्ट हित भी है और हमारी विदेश नीति के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण भी है। केवल एक कार्यशील लोकतंत्र ही अपने नागरिकों की ज़रूरतों को पूरा कर सकता है, उनकी माँगों को पूरा कर सकता है और उनकी आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है। यूरोपीय संघ के चुनाव निगरानी मिशन भागीदार देशों के साथ हमारे जुड़ाव को बढ़ाते हैं, जिसमें उनके अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों को पूरा करने के उनके प्रयासों का समर्थन करना भी शामिल है। चुनावी निगरानी सिर्फ़ एक दिन का काम नहीं है: चुनावी प्रक्रिया की गुणवत्ता का लगातार पुनर्मूल्यांकन और सुधार किया जाना चाहिए। एक लोकतांत्रिक चुनाव एक समान खेल मैदान, उम्मीदवारों के बीच निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सभा और संघ की स्वतंत्रता, मानवाधिकारों के प्रति सम्मान और एक तटस्थ और स्वतंत्र चुनाव प्रबंधन निकाय के बिना अधूरा है। एक जीवंत नागरिक समाज और विविध मीडिया परिदृश्य भी आवश्यक पूर्वपिक्षाएँ हैं। यूरोपीय संघ दुनिया भर के देशों में ईओएम तैनात करता है, सिवाय उन क्षेत्रों के जो यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) के अंतर्गत आते हैं। यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में, चुनाव प्रक्रियाओं की निगरानी ओएससीई द्वारा की जाती है। चुनाव मिशनों पर यूरोपीय संघ का डेटाबेस 2016 से ईओएम द्वारा जारी की गई सिफारिशों के केंद्रीय भंडार तक सार्वजनिक पहुंच प्रदान करता है। सिफारिशों को वर्ष, क्षेत्र/देश, मिशन के प्रकार, चुनाव के प्रकार और सिफारिश के प्रकार के आधार पर खोजा जा सकता है। 2000 से ईओएम की अंतिम रिपोर्ट, प्रारंभिक बयान और प्रेस विज्ञप्तियाँ और साथ ही यूरोपीय संघ के चुनाव अनुवर्ती मिशनों की रिपोर्ट भी इस डेटाबेस में पाई जा सकती हैं।

प्रथम विश्व युद्ध में एक सैनिक के रूप में, युवा वकील रेने कैसिन गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस अनुभव ने उन्हें जीवन भर के लिए प्रभावित किया। युद्ध के बीच के वर्षों में, उन्होंने राष्ट्र संघ में फ्रांस का प्रतिनिधित्व किया और निरस्त्रीकरण के लिए काम किया।सामान्य रूप से मानवाधिकारों को देखा जाए तो मानव जीवन में भोजन पाने का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीड़न पर अंकुश, महिलाओं के लिए घरेलू हिंसा से सुरक्षा, उसके शारीरिक शोषण पर अंकुश, प्रवास का अधिकार, धार्मिक हिंसा से रक्षा आदि को लेकर बहुत सारे कानून बनाए गए हैं जिन्हें मानवाधिकार की श्रेणी में रखा गया है।

मानवाधिकार दिवस पर विशेष

नागरिक और राजनीतिक अधिकार

आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार; साथ ही एकजुटता अधिकार की श्रेणियाँ हैं। मानवाधिकारों के कई सिद्धांत इन सभी श्रेणियों के अधिकारों पर समान रूप से लागू होते हैं। इसलिए, किसी के साथ भी भेदभाव नहीं किया जाएगा। उसके सामाजिक या जातीय मूल, जाति, धर्म, लिंग, आयु, भाषा आदि के आधार पर।प्रत्येक व्यक्ति मानवाधिकारों का हकदार है। मानवाधिकार हमेशा और हर जगह हैं संघर्ष या संकट के समय भी लागू होता है। सभी मानवाधिकार मानवीय गरिमा सुनिश्चित करने के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, चाहे वे नागरिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार हों।

लघुकथा

सब के लिए

बात इतनी पुरानी है कि वे शब्द, जो उसे बयान कर सकते, अब हर भाषा के शब्द-कोष से खो चुके हैं, बात इतनी नई है कि उसे बताने के लिए जो अभिव्यक्ति चाहिए वह अभी किसी भी भाषा में ईजाद ही नहीं हुई है। इसलिए मजबूरी में अब मुझे उपलब्ध शब्दों से ही काम चलाना पड़ रहा है.वह जैसे दूध के ऊपर जमी हुई मलाई थी. वह जैसे मुँह में घुल गई मिठास थी। वह जैसे सितारों को थामने वाली आकाश-गंगा थी. वह जैसे ख़ज़ाने से लदा एक समुद्री जहाज़ थी जिसकी चाहत में समुद्री डाकू पागल हो जाते थे, उसके होठ इतने सुंदर थे कि आवाज़ का मन नहीं करता कि वह उनके बीच से हो कर बाहर आए और इस प्रक्रिया में होठों को थोड़ा मलिन कर जाए. उसकी आँखें इतनी सुंदर थीं कि सभी दृश्य उन्हीं में बस जाना चाहते थे. उसका मन इतना सुंदर था कि वह अपने लिए नहीं, औरों के लिए जीती थी. वह स्त्री थी. वह माँ थी तो मकान घर था. वह बहन थी तो भाइयों की कलाइयों पर राखी थी. वह बेटी थी तो घर में रौनक़ थी. वह पत्नी थी तो थाली में भोजन था, जीवन में प्रयोजन था. अकसर उसके मन के पके घाव उसकी आँखों में से बाहर झाँक रहे होते. उसके घुटनों पर दर्द का शिशु झूल रहा होता. उसके मन का आकाश जब भर आता तो वह उसी पर बरस पड़ता. चिड़िया की चोंच में भरा होता है जितना जल ,बस उतनी ही ख़ुशी थी उसके जीवन में एक दिन पुरुष घर आया पर उसे स्त्री कहीं नहीं दिखी. दरअसल स्त्री घर बन गई थी.

कहानी

गुलबदन

लक्ष्मीनारायण लाल

कहां वह बस्ती जिला का गांव जलालपुर, कहां यह साढ़े-आठ सौ मील दूर कलिकत्ता. और कलिकत्ते में भी हावड़ा से इतनी दूर सेकरइल का यह चटकल, जूट मिल की यह घनघोर मजदूर बस्ती. गोवरधन ने सुबह-ही-सुबह देखा, सामने साक्षात वही गुलबदन आ खड़ी है. गोवरधन को पहले तो परतीत न हुआ. वह नीचे से ऊपर तक उसे घूर-घूर कर एकटक देखता रहा. लेकिन जब उसने गुलबदनी की वह तलवार छाप बोली सुनी, और मुंह पर हाथ रखकर वह ही-ही, ही-ही वाली बेमतलब की हंसी, तब गोवरधन सिर से पांव तक कांप गया.

हे भगवान! दइउ का कोप. यह तो यही गुलबदनी है साली. वही ससुरी गुलबदनी. हे राम. लकड़ी, माटी और नारियल के पत्तों और पुवाल से बनी हुई वह झोपड़ी. झप्प से आकर गुलबदनी वहां बैठ गयी. मुंह पर हाथ रखकर, और गोवरधन पर मारू नजर चलाती हुई, वह फिर हंसने लगी. गोवरधन चुप. होश-हवास मानों गायब. उसकी नजर में हुगली के किनारे दबी हुई घास-पात की वे असंख्य झोपड़ियां, उनमें जानवर की तरह रहने वाले वे मजदूर, उनके भयानक चेहरे, सब कौंध गये. "हे हो! हे हो!" कहकर, गुलबदनी अपने पति गोवरधन को संबोधित करने लगी.गोवरधन क्या बोले? अब कहां भाग कर जाय? गुलबदनी झोपड़ी के दरवाजे पर बाकायदा बैठ गयी है. और वह हंस-हंस कर बताने लगी है, कि वह किस तरह से यहां आयी है. अलगू चमार, हावड़ा स्टेशन का कुली, अपने मुलुक गया था. उसी के साथ जबरदस्ती बेटिकट वह यहां चली आयी. गांव-गढ़ी में सब राजी-खुशी है. मुलुक में बड़ी महंगाई है. कहीं कोई रोजी-मंजूरी नहीं. 'हे हो, तुंहका कौनो, मोह-माया नाहीं बाय का?" गुलबदन यह सवाल करके, फिर चुप हो गयी. गोवरधन ने तब देखा, उसके आस-पास बहुत-से लोग आ खड़े हुए हैं. कई औरतें और बच्चे, सब प्रश्न भरी आंखें लिये, वहां मौजूद हैं. सब गोवरधन से सवाल-जवाब कर रहे हैं. गोवरधन के जवाब के पहले गुलबदनी सब को फटाफट बता रही है, कि वह गोवरधन की मेहरारू है. असली ब्याहता मेहरारू. कोई भगाई, घर बैठी नहीं. बेहया की तरह सब बताती हुई गुलबदनी ने जान-बूझ कर अपने सिर से साड़ी का रंगीन आंचल जरा सा एक तरफ खिसका दिया है, ताकि सब देख लें उसकी मांग का चटक घनघोर सिंदूर. माथे पर बड़ी सी लाल टिकुली-लकालक. आंखों में कजरौटा मार्का काजल है और दांतों में मीसी. सब कुछ झकाझोर.

गोवरधन सब से बातें करता हुआ, अपनी झोपड़ी से जरा दूर चला गया. लौटा, तो देखा, कि गुलबदनी झोपड़ी के भीतर से चावल-दाल और बटलोई बाहर निकाल कर, चूल्हे में आग जला रही है. और वह कुछ गुनगुना भी रही है ऐसे, कि जैसे वह कितने ही दिनों में यहां की घर-गृहस्थी चला रही थी. एक दिन गोवरधन पागल भालू की तरह गुलबदनी पर फाट पड़ा...कमर पर लात के प्रहार से उसे वहीं नंगी जमीन पर लिटा दिया. गोवरधन झोपड़ी के सामने चटाई बिछाकर बैठ गया. गुलबदनी ने तब उसके सामने अपनी गठरी खोली. फटे-पुराने कपड़ों का एक छोटा-सा चबैना, और एक कोने में बंधे हुए सिर्फ सात आने पैसे.

यू पाईल्स सिरप तथा पाईल्स रिलॅक्स और पाइलामृत कैप्सूल

आयुर्वेद एक जीवनशास्त्र तथा वरदानी चिकित्सा शास्त्र भी है। पाईल्स अर्थात बवासीर पर इसमे कई हजार वर्षों से सफल प्रभावी ईलाज किया जाता आ रहा है। इस पाईल्स या बवासीर को अर्श या मूलव्याध भी आयुर्वेद में कहा गया है। शिवशंकर आयुर्वेद एजेंसी सीताबर्डी नागपुर द्वारा निर्मित एक वितरित यू पाईल्स सिरप तथा पाइल्स रिलैक्स और पाईलामृत कैप्सूल पाइल्स पर अच्छा आराम देते हुए पाए गए है. पाइल्स या मूलव्याधि समूल नष्ट नहीं होगा. इसे पथ्य और औषधि सेवन से शांत किया जा सकता है. शल्य क्रिया करके भी पाइल्स फिर अपथ्य करने से पुनरुद्भव हो सकता है. उसको पथ्यापथ्य से और औषधी सेवन से ठीक किया जा सकता है। शल्यक्रिया (ऑपरेशन) करके भी पाईल्स फिर अपथ्य सेवन करने से पुनरुद्भव हो सकता है। परंतु पथ्यापथ्य के पालन एवं यु पाईल्स सिरप 20ml + आधे कप पानी के साथ और एक कैप्सूल पाइल्स रिलैक्स एव पाईलामृत की सुबह और शाम खाने के बाद सेवन करने से पाइल्स में अच्छा लाभ होते हुए देखा गया है. शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी मार्गदर्शक वैद्यो को अनुभव आया है। तथा इच्छुक व्यक्ति शिवशंकर आयुर्वेदिक एजंसी अथवा शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी वैद्यो की अनुभवी सलाह से परामर्श कर उपयुक्त यू पाइल्स सिरप एवम पाइल्स रिलैक्स और पायलाम्रुत कॅप्सुल्स का सेवन करके अपनी समस्या का समाधान पाए.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000/8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

नायगांव कोयला खदान के डंपर ऑपरेटर की खुदकुशी

वणी. नायगांव खदान में डंपर ऑपरेटर पद पर कार्यरत कर्मचारी राजकुमार गोधारी उम्र 29 ने 9 दिसंबर सोमवार दोपहर 12.50 दरम्यान बेलोरा वर्धानदी के पुल से कुद कर आत्महत्या की है।

प्राप्त जानकारी के नुसार राजकुमार अपने पिता की मौत के बाद वेकोलि में पिता के स्थान पर लगा था। सोमवार दोपहर को पुल पर आकर बाईक खडी कर राजकुमार ने छलांग लगायी। आसपास के नागरिकों ने देखने पर हादसे की जानकारी घुग्घुस पुलिस को दी। पुलिस ने तत्काल घटना स्थल पहुंचकर जांच मुहिम शुरु की। जिस में बचाव दल को चंद्रपुर से बुलाकर जांच को तेज किया गया है. जांच मुहिम शुरु की। जिस में बचाव दल चंद्रपुर से बुलाकर जांच को तेज किया गया है। राजकुमार वेकोलि के गांधीनगर क्वार्टर नंबर 278 में अपनी माता के साथ रहता था। राजकुमार आर्थीक रूप से परेशान होने की जानकारी है। तो वेकोलि के अधिकारीयों को मामले की जानकारी मिलने पर अधिकारीयों ने घटना स्थल को भेट दी है।

दो सेट प्रदूषण फैला रहे हैं, उनके रखरखाव और मरम्मत के लिए तत्काल उपाय करें : जोरग़ेवार

> मुंबई में महाजेनको और चंद्रपुर महाऔष्णिक बिजली केंद्र अधिकारियों के साथ हुई बैठक

चंद्रपुर, सुनील तायडे

चंद्रपुर महाऔष्णिक बिजली केंद्र के 8 और 9 नंबर संच प्रदूषण फैला रहे हैं. यह एक गंभीर मुद्दा है और ये संच चंद्रपुर में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों में बाधा डाल रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के विधायक किशोर जोरग़ेवार ने महाजेनको और चंद्रपुर महाऔष्णिक बिजली केंद्र के अधिकारियों को सात दिनों के भीतर इस पर कदम उठाने का स्पष्ट निर्देश दिया है.

इस मुद्दे पर आज मुंबई में विधायक किशोर जोरग़ेवार ने एक बैठक आयोजित की. इस बैठक में महाजेंको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. पी. अंबलगन, महाजेंको के निदेशक (संचालन) संजय मारुडकर, कार्यकारी निदेशक नितिन वाघ, आईटी विभाग के कार्यकारी निदेशक नितिन चंदुरकर, कार्यकारी निदेशक राजेश पाटिल उपस्थित थे। जिलाधिकारी विनय गौड़ा और चंद्रपुर महाऔष्णिक बिजली केंद्र के मुख्य अभियंता कुमरवार वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में उन्होंने उपरोक्त सुझाव दिये.

चंद्रपुर जैसे औद्योगिक शहर में प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। हालाँकि, भू-तापीय केंद्र में कुछ संच और कुछ उद्योग प्रदूषण बढ़ा रहे हैं जिससे स्थानीय निवासियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो रही हैं। अत्यधिक गरम केंद्रों के नंबर आठ और नौ सेट हवा में धुआं, राख और अन्य खतरनाक कण छोड़ते हैं, जिससे क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता खराब हो जाती है।

इस गंभीर स्थिति पर ध्यान केंद्रित करते हुए विधायक जोरग़ेवार ने अधिकारियों को सात दिनों के भीतर उपाय करने का निर्देश दिया. इन संच से होने वाले प्रदूषण का अध्ययन कर तत्काल कार्ययोजना तैयार कर सरकार को रिपोर्ट सौंपे।

बैठक में बोलते हुए विधायक जोरग़ेवार ने कहा कि शहर में प्रदूषण कम करने के प्रयास किये जा रहे हैं. जंगल से निकटता के बावजूद, चंद्रपुर में बढ़ता प्रदूषण चिंताजनक है। अतः प्रदूषण का सटीक अध्ययन कर स्थायी उपाय किये जाने चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि जनता के प्रतिनिधि के रूप में हम लगातार संबंधित विभागों से संपर्क करते रहेंगे।

चंद्रपुर में चंद्रपुर महाऔष्णिक बिजली केंद्र एक प्रमुख बिजली उत्पादन केंद्र है। हालाँकि, तापीय ऊर्जा उत्पन्न करते समय पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने का ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने बैठक में कहा कि इस संबंध में नियमित जल छिड़काव, राख का उचित प्रबंधन और अन्य पर्यावरणीय उपाय लागू किये जाने चाहिए. बैठक में महाजेनको और चंद्रपुर महाऔष्णिक बिजली केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ संबंधित विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मणिपुर की घटना पर प्रधानमंत्री चुप क्यों?: सांसद धानोरकर

चंद्रपुर.

संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्ष ने सरकार को मुश्किल में डाल दिया. विपक्षी दल ने मणिपुर संविधान पर चर्चा की मांग की थी. हालाँकि, सरकार ने इस संबंध में अपनी भूमिका स्पष्ट नहीं की है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के संबंध में अपनी भूमिका बताने वाली यह सरकार मणिपुर की घटना पर एक शब्द भी नहीं बोलती. इस संबंध में भारत अघाड़ी ने आज दिल्ली के जंतर-मंतर मैदान पर विरोध प्रदर्शन कर अपनी भूमिका स्पष्ट की.

सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर संबल, मणिपुर के मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए समय मांगा. लेकिन दिल्ली के जंतर-मंतर मैदान पर चल रहे आंदोलन में सांसद प्रतिभा धानोरकर ने अफसोस जताया कि सरकार विपक्ष के इन मुद्दों को गंभीर नहीं मानती. सांसद धानोरकर ने राय व्यक्त करते हुए कहा कि यह सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने का काम कर रही है. ये सरकार इस पर एक शब्द भी बोलने को तैयार नहीं है कि मणिपुर में महिलाओं के साथ अभद्र और शर्मनाक अत्याचार किया जाता है. इस अवसर पर सांसद प्रतिभा धानोरकर ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, देश की सेवा करने वाले सैनिक की पत्नी का अपमान करने पर भी यदि यह सरकार संसद में चर्चा नहीं करती है तो इस सरकार का विरोध कम ही है. सांसद प्रतिभा धानोरकर ने भी राय व्यक्त की कि सरकार को विपक्ष को हाशिए पर रखकर लोकतंत्र को खत्म नहीं करना चाहिए और तानाशाही की ओर नहीं बढ़ना चाहिए.

अहेरी पुलिस कांस्टेबल ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

>आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं

गढ़चिरोली:

पुलिस उप मुख्यालय प्राणहिता अहेरी में कार्यरत पुलिस कांस्टेबल अविनाश सुंदरराव नाइकवाडे (उम्र 38 वर्ष) ने आज रविवार 8 दिसंबर को सीलिंग फैन से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है. उक्त घटना से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक अविनाश पुलिस उप-मुख्यालय में कार्यरत अपने सहकारी पुलिस कांस्टेबल अमीर सुनील शेट्टे (उम्र 26 वर्ष) के साथ ही पुलिस परिसर भवन के कमरा नंबर 4 में रहते हैं। इस बीच, आज सुबह, अमीर शेट्टे अपने कमरे की गैलरी में अपने मोबाइल पर एक फिल्म देख रहे थे, और उसी दौरान पुलिस कांस्टेबल अविनाश सुंदरराव नाइकवाड़े ने कमरे के मध्य हॉल में छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। जैसे ही इस बात की जानकारी अमर शेट्टे को हुई तो वह तुरंत अहेरी पुलिस स्टेशन पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी दी।

जानकारी मिलतेही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और धारा 194 बीएनएसएस के तहत मौत का मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है.

चीन-पाकिस्तान की तरह ही बांग्लादेश भी भविष्य की ओर देखेगा

>बांगलादेश पर हंसराज अहीर ने 2017 में एक बयान दिया था

चंद्रपुर.

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के पद पर रहते हुए हंसराज अहीर ने नवंबर 2017 में एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया द्वारा 'घरेलू सुरक्षा' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में बोलते हुए कहा था कि, चीन, पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी भविष्य में देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरा होगा, उसवक्त हंसराज अहीर ने समग्र स्थिति को समझने के बाद एक बहुत ही गंभीर बयान दिया गया था।

हंसराज अहीर द्वारा उस समय दिया गया उपरोक्त बयान वास्तव में आज बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों, अन्याय और अमानवीय उत्पीड़न की पृष्ठभूमि में घटित हो रहा है। बांग्लादेश के गंभीर हालात को देखते हुए भारत के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है.

बांग्लादेश में हिंदुओं पर बेइंतहा अत्याचार हो रहा है और उनके घर जलाए जा रहे हैं. उनकी संपत्ति लूटी जा रही है. भारतीय हिंदू और अन्य समाज हिंदुओं के खिलाफ इस अन्याय के खिलाफ दुखी हैं क्योंकि अमानवीय अत्याचार, लूटपाट और जबरन धर्मांतरण हो रहा है।

मानसिक विकृति की समस्या पर आधारित नाटिका

>'एक उत्तर की कहानी' की प्रस्तुति

चंद्रपुर.

अविष्कार यवतमाल द्वारा निर्मित एक उत्तर की कहानी विशाखा की भावनात्मक पहेली के इर्द-गिर्द घूमती है, जो महज तीन साल की उम्र में मानसिक रूप से विकलांग है, उसकी बहन तेजू और उसकी मां नीता और पिता योगेश की खींचतान यह एक ज्वलंत सत्य है जो एक पारिवारिक एवं सामाजिक समस्या को रेखांकित करता है। इस नाटक में सिधू नाम की महिला का किरदार यौन विकृति की ओर ध्यान खींचता है।

योगेश एक बैंक में अधिकारी है लेकिन विशाखा की देखभाल के लिए नीता ने अपनी नौकरी छोड़ दी है। विशाखा की समस्या को व्यावहारिक के बजाय भावनात्मक दृष्टिकोण से देखने वाली नीता, विशाखा को फूल की तरह पालन पोषण करती है और उसकी सभी मनोदशाओं को सहन करती है। अपनी माया के कारण उसने विशाखा को एक प्रकार से पंगु बना दिया। उनके घर आने वाले सिद्धू की विशाखा पर बुरी नजर थी और उसने मौका देखकर उसके साथ छेड़खानी की कोशिश की। विशाखा के कारण नीता का ऊर्जावान और कामकाजी तेजू कुछ हद तक उपेक्षित है। इस बीच, तेजू, जो काम से घर लौटा है, नीता की मां को सलाह देता है कि वह मुंबई के नारकर दंपत्ति से मिलें और विशाखा के बारे में उनसे सलाह लें। लेकिन भावुक विचारक नीता इस सब को नजरअंदाज कर देती हैं.

मानसिक रूप से विक्षिप्त होने के बावजूद, विशाखा की शारीरिक ज़रूरतें एक स्वस्थ व्यक्ति के समान हैं। अगर योगेश को प्रमोशन मिल भी जाए तो वह उसका लुत्फ नहीं उठा पाएंगे, क्योंकि राज्य के बाहर पोस्टिंग की संभावना है। योगेश विशाखा और नीता को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन नीता की राय है कि योगेश को प्रमोशन स्वीकार कर लेना चाहिए और गांव से बाहर चले जाना चाहिए। एक बार सिद्धू विशाखा के साथ छेड़खानी की कोशिश करता है और विशाखा भी बेहोश हो जाती है, जिससे वह हिंसक हो जाती है, यह देखकर योगेश गुस्से में विशाखा पर हाथ उठा देता है। बाद में उसे इसका पछतावा भी होता है। समीर तेजू का सहकर्मी और दोस्त है। नारकर दम्पति अपने रिश्ते में हैं। तेजू से विशाखा के बारे में जानने के बाद, वह कहता है कि वह उसकी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार है और उसके सामने प्रस्ताव रखता है। इससे तेजू भी खुश हो जाती है, लेकिन जब वह जन्म देने वाले वास्तविक पिता को अपनी बेटी पर हाथ उठाते देखती है, तो वह सोचती है कि समीर सिर्फ एक अजनबी है। अगर उसने आगे चलकर विशाखा की देखभाल करने से इनकार कर दिया तो क्या होगा? इसलिए वह समीर को अस्वीकार कर देती है। इस बीच, नीता को तेजू से पता चलता है कि वह नारकर का भी बेटा है विशाखा को एक पुनर्वास संस्थान में रखने जा रहे हैं, वह माँ को सुझाव देती है कि उसे नारकर से मिलना चाहिए, लेकिन वह तैयार नहीं है। लेकिन एक दिन, किसी अज्ञात प्रभाव के कारण, नीता विशाखा को मुंबई ले जाती है और नारकर से मिलने चली जाती है। योगेश, जो प्रशिक्षण के लिए पुणे गया था, लेकिन वह उसे मुंबई में साथ होने के लिए कहती है लेकिन वह नहीं जाता है। इस बीच, जब नीता और विशाखा चार-पांच दिनों तक नहीं लौटीं, तो चिंतित योगेश ने तेजू को घर बुलाया। क्या विशाखा और नीता के साथ कुछ बुरा तो नहीं हुआ ? जबकि उनके मन में इस तरह की शंकाएं आ रही हैं कि नीता घर पर अकेली है और विशाखा कहां है ? पूछने पर वह कहती है कि उसने उसे नारकर के यहां छोड़ दिया था और कहती है कि वह संस्था देखने आई थी. नारकर के बेटे और विशाखा का एक-दूसरे के प्रति आकर्षित होना इस तथ्य को रेखांकित करता है कि उन्हें भी शारीरिक सुख मिलना चाहिए।तेजू विशाखा को नारकर को सौंपने के बाद लौटता है और मानसिक रूप से विकलांग लोगों के लिए काम करने वाले संगठन में सेवा करने के अपने दृढ़ संकल्प को प्रकट करता है, और इस प्रकार 'उत्तर' ढूंढता है।

अरविन्द लिमये द्वारा लिखित और अनिकेत बेगड़े द्वारा निर्देशित नाटक 'एका उत्तराची कहानी' में मानसिक मंदता की समस्या को दिखाया ? उन्हें कैसे समझें ? बिना भावुक हुए उनकी यौन समस्या को तार्किक ढंग से कैसे हल किया जाए ? सभी कलाकारों का तालमेल बहुत अच्छा था और भूमिकाएं भी अच्छी थीं. मानसिक रूप से कमजोर लड़की विशाखा की भूमिका का अच्छा अभिनय किया गया और सटीक नेपथ, उपयुक्त प्रकाश व्यवस्था और उचित संगीत के कारण नाटक उत्साहवर्धक था और दर्शकों को आत्मनिरीक्षण करने पर मजबूर कर दिया.

CMYK

'पुष्पा 2'

800 करोड़ पार

बॉक्स ऑफिस पर लगाई आग

सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के अलावा फहाद फाजिल, रश्मिका मंदाना अहम रोल में दिखे. इसके पहले पार्ट ने कमाई के मामले में इतिहास रचा था. अब पुष्पा 2 भी इसी राह पर है. अल्लू की फिल्म ने यकीनन बॉक्स ऑफिस पर नया बेंचमार्क सेट किया है. पुष्पा 2 की वाइल्ड फायर परफॉर्मेंस से मेकर्स की खुशी का ठिकाना नहीं है. ये सबसे तेजी से 500 करोड़ कमाने वाली पहली इंडियन फिल्म भी बन गई है. पुष्पा 2 की सक्सेस ने अल्लू को मोस्ट डिमांडिंग एक्टर बना दिया है. अब बस फैंस को इंतजार है पुष्पा 3 का...

☐ इसमें सबसे मजेदार बात ये है कि अल्लू की फिल्म का हिंदी कलेक्शन तेलुगू वर्जन से बढ़िया है. रविवार को जहां पुष्पा ने हिंदी में 85 करोड़ कमाए, वहीं तेलुगू भाषा में 44 करोड़ की कमाई की. इससे साफ जाहिर है पैन इंडिया स्टार बन चुके अल्लू का क्रेज हिंदी ऑडियंस के बीच जबरदस्त है. पुष्पा पहली हिंदी फिल्म बन गई है जिसने एक दिन में 80 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है. फिल्म ने हिंदी में पहले दिन यानी गुरुवार को 70 करोड़, शुक्रवार- 56.9 करोड़, शनिवार- 73.5 करोड़ कमाए थे. रविवार को पुष्पा ने 4 दिनों में सबसे ज्यादा 85 करोड़ कमाकर रिकॉर्ड बना दिया है.

पुष्पा 2 का कलेक्शन संडे को भी नहीं झुका. अल्लू की फिल्म ने रविवार को वर्ल्डवाइड मार्केट में 800 करोड़ कमा लिए हैं. जिसमें 200 करोड़ सिर्फ संडे की कमाई है. वहीं इंडिया में पुष्पा ने 532 करोड़ का कारोबार किया है. इसमें रविवार का आकंड़ा 142 करोड़ है. हिंदी वर्जन में पुष्पा की सुनामी थमने का नाम नहीं ले रही है. नॉर्थ इंडियन रीजन में पुष्पा की दीवानगी ऐसी है कि फिल्म ने अकेले रविवार को 85 करोड़ का जादुई बिजनेस किया है. फिल्म का 4 दिनों का हिंदी कलेक्शन 290 करोड़ हो गया है. पुष्पा 2 की नॉनस्टॉप कमाई का ये सिलसिला अभी दूर-दूर तक नहीं रुकने वाला है. ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है पुष्पा 2 की नजर कई और रिकॉर्ड्स पर है...जो बस टूटने ही वाले हैं.

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म पुष्पा 2 ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया. फिल्म रोजाना कमाई के कई सारे रिकॉर्ड तोड़ रही है. लगभग 400 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने महज तीन दिनों में अपना बजट निकाल लिया है, जो कोई आम बाद नहीं है. अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना का जादू फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है. ये फिल्म लगातार चार दिनों से हाऊसफुल जा रही है और अब फिल्म की कमाई का नया आंकड़ा सामने आ गया है, जो चौंकाने वाला है. इस फिल्म ने महज 4 दिनों में 800 करोड़ रुपये तक की कमाई कर ली है. सुकुमार के निर्देशन में बनी फिल्म पुष्पा 2 का क्रेज फैंस के बीच साफ नजर आ रहा है. ये फिल्म हिंदी समेत तमाम भाषाओं में कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ रही है.

तीन दिनों में इस फिल्म ने दुनिया भर में लगभग 500 करोड़ से भी ज्यादा की कमाई की थी. अब नई रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें फिल्म की कमाई 800 करोड़ तक होने की बात बताई गई है. इस रिपोर्ट के मुताबिक, अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म ने 4 दिनों में 800 करोड़ रुपये तक की कमाई का आंकड़ा छू लिया है. हालांकि, ये कमाई सिर्फ भारत की नहीं है. ये आंकड़ा दुनिया भर में हुई कमाई का पेश किया है. इस फिल्म में इंडिया ने चौथे दिन लगभग 529.45 करोड़ रुपये तक की कमाई की है. पुष्पा 2 की तेजी से बढ़ रही कमाई ने हर किसी को हैरान कर दिया है. मेकर्स भी फिल्म को मिल रहे इस प्यार से काफी ज्यादा खुश है और अब हर किसी की नजरें 1000 करोड़ के कलेक्शन पर आकर रुक गई है. इस बात को कहना गलत नहीं होगा कि जिस तरह फिल्म की कमाई बुलेट ट्रेन की रफ्तार से आगे बढ़ रही है. उससे ये फिल्म चंद दिनों में 1000 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर लेगी. बता दें कि इंडिया में ऐसी बहुत कम फिल्में हैं, जो 1000 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है.

काटने पर आ जाऊं, तो ऐसा काटती हूं कि..

☐ सलमान खान के रियलिटी सो बिग बॉस का क्रेज लोगों में काफी ज्यादा है, इस बार शो का 18वां सीजन टेलीकास्ट किया जा रहा है. इस सीजन में वाइल्ड कार्ड एंट्री वाले कंटेस्टेंट भी लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहे हैं. इसी सीजन में कुछ वक्त पहले स्प्लिट्सविला एक्स-5 में शामिल हुईं कशिश कपूर ने भी एंट्री ली है, उनके साथ ही दिग्विजय राठी भी घर में आए हैं. कशिश और दिग्विजय स्प्लिट्सविला के दौरान बहुत अच्छे दोस्त थे, लेकिन बाद में दोनों के बीच बात बंद हो गई.

अक्सर बिग बॉस के घर में दोनों के बीच झगड़ा या बहस देखने को मिलता रहता है. कशिश ने शो में बिंदास और बेबाक कंटेस्टेंट के तौर पर अपनी पहचान बनाई है, जो किसी से कुछ भी कहने में पीछे नहीं हटती है. हाल ही में शो का एक वीडियो जियो सिनेमा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया. इस वीडियो में कशिश घर के बाकी सदस्यों के साथ हंसी मजाक करते हुए इनडायरेक्ट तरीके से दिग्विजय पर निशाना साधते हुए उनका मजाक उड़ाती हैं. ये वाक्या तब का है जब बिग बॉस के घर में अविनाश, कशिश, चाहत पांडे और भी सदस्य किचन एरिया में बात कर रहे होते हैं, उसी जगह पर कशिश प्याज काट रही होती हैं. इस पर रजत आकर उनसे मजाक करते हुए कहते हैं, "ऐसे काटती हैं कशिश", इस पर बाकी घरवाले हंसने लगते हैं. रजत की इस बात पर कशिश रिप्लाई देते हुए कहती हैं, "काटने पर जाऊं, तो ऐसा काटती हूं कि 8 महीने बाद भी बंदा रोता रहता है." हालांकि, उन्होंने इस पर किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन घर का कैमरा तुरंत ही दिग्विजय पर फोकस करता है. दरअसल, दिग्विजय और कशिश स्प्लिट्सविला में एक दोनों के साथ थे. शो में दिग्विजय ने बताया था कि वो ट्रॉफी जीतना चाहते हैं, लेकिन ग्रैंड फिनाले में चीजें बदल गई. सेमी फिनाले में होने के वक्त कशिश ने दिग्विजय को बिना बताए शो जीतने की जगह 10 लाख रुपए का ऑफर एक्सेप्ट कर लिया. इसकी वजह से दिग्विजय भी शो से बाहर आ गए थे. इसके बाद से ही दोनों में मनमुटाव होने लगा, हालांकि कशिश ने कहा कि उन्होंने बाद में दिग्विजय से माफी मांगी थी.

आलिया

ने छोड़ी शानदार कार पकड़ा ऑटोरिक्शा

☐ बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट कुछ न कुछ करके अक्सर लाइमलाइट में रहती हैं. उनकी चर्चा हमेशा फैंस के बीच मे होती ही रहती है. हाल में ही जिगरा एक्ट्रेस ने मुंबई में कुछ ऐसा किया जिसके बाद उनकी बातें होने लगी हैं. दरअसल आलिया ने यातायात की समस्या से बचने के लिए अपनी शानदार कार को छोड़कर ऑटो की सवारी की. एक्ट्रेस मुंबई के वर्सोवा जेटी पर नजर आईं. इसके बाद बोट से उतरकर सफर के लिए ऑटो को चुना. 'राजी' फेम एक्ट्रेस एक ओवरसाइज स्ट्राइप्ड शर्ट और पैंट पहने हुए देखी गईं. यातायात की समस्या से बचने के लिए आलिया भट्ट के साथ ही अन्य हस्तियां भी वर्सोवा से मुंबई के इलाके में शूटिंग स्थलों तक जाने के लिए जेटी राइड का सहारा लेती नजर आ चुकी हैं.

प्रीति जिंटा के बेटे जय ने संभाली किचन की जिम्मेदारी!

☐ कल हो न हो, वीर जारा और दिल चाहता है जैसी तमाम फिल्मों के जरिए फैंस का दिल लूटने वाली डिंपल गर्ल प्रीति जिंटा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं. अपनी लाइफ से जुड़ी ज्यादातर बातें वो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. एक्ट्रेस ने बिजनेसमैन जीन गुडइनफ से शादी की है और साल 2021 में वो सेरोगेसी के जरिए दो जुड़वां बच्चों की मां बनी थीं. हालांकि अभी तक उन्होंने अपने बच्चों का चेहरा रिवील नहीं किया है, लेकिन उनके साथ फोटोज अक्सर शेयर करती रहती हैं. हाल ही में प्रीति ने अपने बेटे जय की एक मजेदार फोटो शेयर की है.

प्रीति जिंटा की अपने बच्चों के साथ बहुत अच्छी ट्यूनिंग है. वो कुछ न कुछ करते हुए उनकी फोटोज पोस्ट करती रहती हैं. हाल ही में संडे को प्रीति ने अपने बेटे जय की कुछ फोटोज शेयर की हैं. इन फोटोज में उनके बेटे हाथ में बेलन लेकर रोटी बनाते नजर आ रहे हैं. फोटोज में देखा जा सकता है कि जय अपनी नानी के साथ किचन में खड़े हैं और उनके हाथ में बेलन है. नानी जय को रोटियां बनाना सिखा रही हैं और वो बड़ी दिलचस्पी से उनको देख रहे हैं. एक फोटो में वो रोटी बनाने की कोशिश करते भी दिख रहे हैं. फोटो पोस्ट करते हुए कैप्शन में प्रीति जिंटा ने लिखा, "जिंदगी में सबसे अच्छी चीज है फ्री. जैसे कि नानी मां और हमारे छोटे शेफ जय के हाथ से बनी रोटी खाने की खुशी. सभी को हैप्पी संडे." प्रीति जिंटा की बेटे जय के अलावा एक बेटी भी है, जिसका नाम है जिया. दोनों की फोटोज प्रीति के सोशल मीडिया पर खूब देखने को मिलती है. कुछ दिन पहले प्रीति जिंटा आईपीएल में अपनी टीम की नीलामी के लिए नजर आई थीं. उन्होंने पोस्ट शेयर कर अपनी टीम के प्लेयर्स को लेकर फैंस से सुझाव मांगे थे. इसके अलावा उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर होटल की बालकनी और कमरे की झलक भी दिखाई थी. वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रीति जिंटा आने वाली फिल्म 'लाहौर 1947' में नजर आने वाली हैं. ये एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं और इसके प्रोड्यूसर आमिर खान हैं. इस फिल्म में उनके साथ सनी देओल भी नजर आएंगे.

करण जौहर की मां अस्पताल में भर्ती

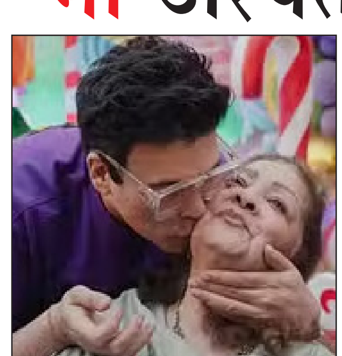

☐ डायरेक्टर करण जौहर की मां हीरू यश जौहर की बीते दिन तबीयत खराब हो गई थी। जिस वजह से उन्हें मुंबई के बीते दिन अंबानी अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। बीते दिन पैपराजी ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया था जिसमें करण अपनी मां के अस्पताल से जाते नजर आ रहे थे। करण जौहर के अस्पताल जाने के बाद जाने माने फैशन डिजाइनर मनीषा मल्होत्रा की कार को भी अस्पताल के बाहर स्पॉट किया गया। मनीष मल्होत्रा करण जौहर की मां का हालचाल लेने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। मनीष करण जौहर की मां के जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं। विरल भियानी ने अपने इंस्टा हैंडल पर वीडियो शेयर कर लिखा- 'करण जौहर और मनीष मल्होत्रा को अंबानी अस्पताल में हीरू जौहर से मिलते देखा गया, जिन्हें पिछले दिन भर्ती करवाया गया था। परिवार के एक सदस्य ने आश्वासन देते हुए कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। हम उनके जल्द ठीक होने की कामना करते हैं।' आपको बता दें कि करण जौहर ने अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया है और ना ही इस बात की जानकारी मिली है कि हीरू जौहर किस वजह से अस्पताल में भर्ती हुई हैं।

अफ्रीका ने लंका को 109 रन से हराया

साउथ अफ्रीका की जीत से बढ़ी टीम इंडिया की टेंशन | वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर

गकबेर्हा/ दिल्ली.

साउथ अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में श्रीलंका को 109 रन से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने दो मैचों की सीरीज को 2-0 से जीत लिया है। केबेरा के सेंट जॉर्ज पार्क स्टेडियम में टेम्बा बावुमा की टीम ने 348 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में श्रीलंका 238 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ नंबर-1 पर कब्जा जमा लिया है। पांचवें दिन श्रीलंका को 143 रन की जरूरत थी। जबकि साउथ अफ्रीका को 5 विकेट चाहिए थे। लेकिन टीम अपने कल के स्कोर 205 रन में मात्र 33 रन जोड़ सकी और ऑलआउट हो गई। प्रोटियाज टीम से केशव महाराज ने 5 विकेट लिए। डेन पैटरसन ने मैच में 7 विकेट लिए, उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

वहीं 2 मैच में 327 रन बनाने वाले कप्तान बावुमा को प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब मिला। कप्तान सिल्वा के अलावा बाकी बल्लेबाज फेल, श्रीलंका के कप्तान धनंजय डी सिल्वा के अलावा बाकी बल्लेबाज पूरी तरह से फ्लॉप रहे। सिल्वा ने 92 बॉल पर 50 रन की पारी खेली। विकेटकीपर कुसल मेंडिस ने 46 रन बनाए। आखिरी के 4 बल्लेबाज मिलकर 15 रन ही जोड़ सके। स्पिनर केशव महाराज ने दूसरी पारी में 5 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला गकेबरहा के सेंट जॉर्ज पार्क में खेला गया. इस मुकाबले में मेजबान टीम साउथ अफ्रीका ने 109 रनों से जीत हासिल की. मुकाबले में श्रीलंका को जीत के लिए 348 रनों का टारगेट मिला था. लेकिन उसकी पूरी टीम मुकाबले के पांचवें दिन (9 दिसंबर) अपनी दूसरी पारी में 238 रनों पर ढेर हो गई. इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज पर 2-0 से कब्जा कर लिया.

श्रीलंका के खिलाफ इस धमाकेदार जीत के बाद साउथ अफ्रीका को वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में बड़ा फायदा हुआ है. अफ्रीकी टीम अब वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की अंकतालिका में पहले नंबर पर आ गई है. अब साउथ अफ्रीका के 10 मैचों में 6 जीत, तीन हार और एक ड्रॉ से 76 अंक हैं. साउथ अफ्रीका का अंक प्रतिशत 63.33 है, जो ऑस्ट्रेलिया से ज्यादा है. उधर ऑस्ट्रेलियाई टीम अब दूसरे नंबर फिसल गई है. ऑस्ट्रेलिया के अब तक 14 मैचों में 9 जीत, चार हार और 1 ड्रॉ से 102 अंक हैं. उसका अंक प्रतिशत 60.71 है. तीसरे नंबर पर मौजूदा भारत के 16 मैचों में 9 जीत, 6 हार और एक ड्रॉ से 110 अंक हैं. उसके अंकों का प्रतिशत 57.29 है. भारत को मौजूदा चक्र में 3 मैच और खेलने हैं, जो ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ हैं. श्रीलंकाई टीम इस हार के बावजूद चौथे नंबर पर है, लेकिन उसकी फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं लगभग समाप्त हो गई हैं. श्रीलंका के 45.45 प्रतिशत अंक हैं और वह अधिकतम 53.85 प्रतिशत अंकों तक पहुंच सकती है. इंग्लैंड पांचवें और न्यूजीलैंड छठे नंबर पर है. जबकि पाकिस्तान सातवें, बांग्लादेश आठवें और वेस्टइंडीज नौवें स्थान पर है. न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, पाकिस्तान, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज फाइनल की रेस से पूरी तरह आउट हो चुका है. जयसूर्या को 5 विकेट, श्रीलंका से दूसरी पारी में स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या ने 5 विकेट लिए। विश्वा फर्नांडो को 2 विकेट मिले, वहीं असिथा फर्नांडो और लहिरु कुमारा के हाथ 1-1 सफलता आई। एक बैटर रनआउट भी हुआ। श्रीलंका की खराब शुरुआत, 348 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका टीम की शुरुआत खराब रही। दिमुथ करुणारत्ने 1 और पाथुम निसांका 18 रन बनाकर आउट हो गए। मिडिल ऑर्डर बैटर्स ने पारी संभाली, लेकिन 3 बैटर्स सेट होने के बाद आउट हो गए। दिनेश चांदीमल ने 29, एंजलो मैथ्यूज ने 32 और कामिंडु मेंडिस ने 35 रन बनाए।

स्पिनर केशव महाराज ने दूसरी पारी में 5 विकेट लिए

बावुमा ने फिफ्टी लगाई

चौथे दिन साउथ अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में 191/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। ट्रिस्टन स्टब्स ने 36 और कप्तान टेम्बा बावुमा ने 48 रन के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई। बावुमा ने फिफ्टी लगाई, वह 66 रन बनाकर आउट हुए, वहीं स्टब्स ने 47 रन बना दिए। डेविड बेडिंघम ने 35 रन का योगदान दिया। 5 टैलेंडर्स ने भी 8 से 14 रन की पारियां खेलीं और स्कोर 317 रन तक पहुंचा दिया। पहली पारी में साउथ अफ्रीका ने 30 रन की बढ़त ली थी, इसलिए श्रीलंका को 348 रन का टारगेट मिला।

भारत का बदला समीकरण

देखा जाए तो साउथ अफ्रीका के लिए फाइनल का रास्ता अब आसान हो गया है. साउथ अफ्रीका को अब पाकिस्तान के खिलाफ अपने घर पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. यदि अफ्रीकी टीम इस सीरीज में एक भी मुकाबला जीत जाती है तो वह वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंच जाएगी. उधर भारतीय टीम के लिए समीकरण और मुश्किल हो गया है. भारत को फाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 4-1 से जीत हासिल करनी होगी. यानी भारत को फाइनल में पहुंचने के लिए बाकी के तीनों मैच जीतने होंगे, ताकि वो 63.15 प्रतिशत अंकों तक पहुंच जाए. हालांकि, अगर भारतीय टीम एक भी टेस्ट हार जाती है, तो अंक प्रतिशत घटकर 57.89 हो जाएगा. ऐसी स्थिति में भारतीय टीम को उम्मीद करनी होगी कि पाकिस्तान साउथ अफ्रीका को 2-0 से हरा दे. जबकि श्रीलंका अपने घर पर ऑस्ट्रेलिया को 2-0 या 1-0 से हराए, नहीं तो दोनों टेस्ट ड्रॉ हो जाए.

मोहम्मद शमी ने खेली 32 रनों की तूफानी पारी

बेंगलुरु.

दरअसल, यहां मोहम्मद शमी ने अपनी टीम बंगाल के लिए मुश्किल समय में 17 बॉल पर 188.24 की स्ट्राइक रेट से बैटिंग करते हुए नाबाद 32 रन जड़े। इस दौरान शमी का बल्ला चंडीगढ़ के अनुभवी तेज गेंदबाज़ संदीप शर्मा पर गरजा और उन्होंने एक ओवर में 19 रन लूट लिये। ये घटना बंगाल की इनिंग के आखिरी ओवर में घटी। संदीप शर्मा काफी अच्छी बॉलिंग कर रहे थे और उन्होंने अपने शुरुआती तीन ओवर में सिर्फ 20 रन खर्चे थे। हालांकि उन्हें ये उम्मीद नहीं थी कि अब मोहम्मद शमी उनकी पूरी इकोनॉमी बिगाड़ने वाले हैं। इस ओवर में शमी ने हर बॉल पर अपने पास स्ट्राइक रखी और दो गज़ब के छक्के और एक गज़ब का चौका जड़ा। इतना ही नहीं, इसी बीच उन्होंने एक डबल भी चुराया और संदीप शर्मा ने बंगाल को एक वाइड डालते हुए रन भी गिफ्ट किया। इस तरफ यहां बंगाल की टीम को मोहम्मद शमी की धुआंधार बैटिंग के दम पर आखिरी ओवर से पूरे 19 रन मिले।

इसी के साथ ही संदीप शर्मा का इकोनॉमी रेट भी आसमान को छूते हुए 9.75 (4 ओवर में 39 रन) हो गया। बात करें अगर इस मुकाबले की तो मोहम्मद शमी की पारी के दम पर बंगाल एक अच्छे टोटल तक पहुंचने में कामियाब रही और उन्होंने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 159 रन स्कोरबोर्ड पर टांगे। खबर लिखे जाने ये घातक गेंदबाज़ बंगाल के लिए 3 ओवर करते हुए महज़ 13 रन देकर एक विकेट चटका चुका है। फिलहाल ये मैच जीतने के लिए चंडीगढ़ को 12 बॉल पर 23 रनों की दरकार है। ऐसे में ये देखना काफी दिलचस्प रहेगा कि बंगाल के गेंदबाज़ उन्हें रोक पाते हैं या नहीं।

गुजरात जाएंट्स ने यू-मुंबा को हराया

सीजन के 100वें मैच को यादगार बनाया

नई दिल्ली. गुजरात जाएंट्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में रविवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 100वें मैच में यू मुंबा को 34-33 से हरा दिया। मैच का फैसला अंतिम रेड पर हुआ, जिसमें रोहित राघव ने डू ओर डाई सिचुएशन में आए मंजीत को लपक गुजरात को यादगार जीत दिलाई। गुजरात ने 17 मैचों में पांचवीं जीत हासिल की जबकि मुंबा को इतने ही मैचों में छठी हार मिली। यह मैच शुरुआत से ही काफी करीबी रहा और इसे रोमांचक बनाने का श्रेय गुजरात के गुमान (10) और राकेश (10) के अलावा डिफेंस में रोहित (5) और सोमवीर (5) के साथ-साथ मुंबा के अजीत चव्हाण (14) और रोहित राघव (5) को जाता है। जीत के साथ एक स्थान की छलांग लगाने वाले गुजरात के डिफेंस ने 05 के मुकाबले 13 अंक लेकर उसे मुकाबले में बनाए रखा। मैच में गुजरात ने अच्छी शुरुआत करते हुए 3-1 की लीड बना ली थी, लेकिन मुंबा ने लगातार दो अंक लेकर तीसरे मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। इस बीच राकेश बिना टच के लाबी में गए और मुंबा पहली बार लीड में आ गए। फिर मंजीत ने डू ओर डाई रेड पर जीतेंद्र का शिकार कर स्कोर 5-3 कर दिया। गुजरात ने हालांकि जल्द ही स्कोर बराबर कर दिया। आठ मिनट बाद दोनों टीमें 6-6 की बराबरी पर थीं लेकिन इस बीच अजीत ने मल्टी प्वाइंटर के साथ मुंबा को 8-6 से आगे कर दिया, जो 10 मिनट की समाप्ति तक 9-6 हो गया। ब्रेक के बाद गुजरात ने एक अंक लिया, तो जफर ने मल्टी प्वाइंटर के साथ गुजरात को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। गुजरात आलआउट के बिल्कुल करीब थे, लेकिन राकेश ने बोनस के साथ एक रिवाइवल ले लिया। इस समय स्कोर 12-13 था। इसके बाद अजीत गए और राकेश द्वारा सुपर टैकल कर लिए गए। अब गुजरात ने स्कोर 14-13 कर लिया था। इसके बाद राकेश डू ओर डाई रेड पर आए और रिंकू तथा सोमवीर का शिकार कर मुंबा के लिए सुपर टैकल आन कर दिया।

जफर ने हालांकि उसे इस स्थिति से निकाल दिया और फिर मंजीत ने राकेश को लपक लिया। हाफटाइम तक गुजरात की टीम 16-15 से आगे थी, लेकिन उनके लिए सुपर टैकल आन था। ब्रेक के बाद मुंबा ने स्कोर बराबर किया और फिर आलआउट लेकर 20-17 की लीड ले ली। आलइन के बाद अजीत ने सुपर-10 पूरा किया। गुजरात ने हालांकि वापसी की राह पकड़ ली। उसने गुमान के मल्टी प्वाइंटर की मदद से स्कोर 22-22 कर लिया। मुंबा के लिए सुपर टैकल आन था। राकेश ने डू ओर डाई रेड में सुनील से गलती कराई और मुंबा को आलआउट की ओर धकेल दिया लेकिन रोहित ने बोनस के साथ एक रिवाइवल ले लिया। स्कोर फिर बराबर हो गया।

पटना पाइरेट्स अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली.

देवांक दलाल (14) और डिफेंस में अंकित (5) तथा दीपक (5) के शानदार खेल की बदौलत तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में रविवार को प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 50वें दिन खेले गए 99वें मैच में जयपुर पिंक पैंथर्स को 38-28 के अंतर से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। 17 मैचों में 10वीं जीत हासिल करने वाली पटना के डिफेंस का इस कदर बोलबाला रहा कि उसने 17 रेड में अर्जुन देसवाल को सिर्फ 7 अंक लेने दिए। साथ ही जयपुर का डिफेंस भी नहीं चला। उसके खाते में 12 के मुकाबले सिर्फ पांच अंक आए। रेड में भी पटना ने 16 के मुकाबले 22 अंक लेकर इस सीजन में जयपुर को दूसरा बार हराकर अपना वर्चस्व कायम किया। शुरुआती 10 मिनट में जयपुर को 8-6 की लीड मिली हुई थी। जयपुर ने शानदार शुरुआत करते हुए तीन मिनट में ही 4-1 की लीड बना ली थी लेकिन पटना ने अपने डिफेंस और सुधाकर की मल्टी प्वाइंटर की बदौलत जल्द ही स्कोर 5-5 कर दिया। इसके बाद हालांकि जयपुर ने विकास के मल्टीप्वाइंटर की मदद से एक के मुकाबले तीन अंक ले दो अंक की लीड ले ली। शुरुआती 10 मिनट हालांकि पटना के स्टार रेडर्स-देवांक और अयान के लिए अच्छा नहीं रहा। अयान खाता भी नहीं खोल सके जबकि देवांक सिर्फ एक अंक ले सके। ब्रेक के बाद के शुरुआती पांच मिनट में भी फासला दो का बना हुआ था। इसी बीच विकास ने डू ओर डाई रेड पर युवराज को छकाकर स्कोर 11-8 कर दिया। देवांक के बोनस के बाद अर्जुन ने दीपक का शिकार किया लेकिन देवांक ने अंकुश का शिकार कर हिसाब बराबर किया। जयपुर ने जल्द ही 14-10 के स्कोर पर पटना को आलआउट की ओर धकेला और फिर इसे अंजाम देकर 18-12 की लीड ले ली। इसी स्कोर पर दोनों टीमों ने पाला बदला।

शाह ने सुनाया कांबली से मुलाकात का किस्सा

नई दिल्ली. विनोद कांबली बुरे दौर से गुजर रहे हैं. भारत का ये पूर्व क्रिकेटर फिलहाल पाई-पाई का मोहताज है. सचिन तेंदुलकर के बचपन के ख़ास दोस्त विनोद कांबली ने कभी सचिन की तरह ही नाम और पैसा कमाया था लेकिन हालात इसके बिलकुल उलट है. ना ही उनका शरीर उनके साथ है और ना ही उनके पास अच्छी जिंदगी जीने के लिए इतना पैसा है. उन्हें कई बीमारियों ने घेर लिया है. अब वो सिर्फ बीसीसीआई से मिलने वाली पेंशन पर निर्भर हैं. इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विनोद कांबली को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है. केंद्रीय गृह मंत्री ने विनोद कांबली को लेकर कहा कि, 'चेन्नई में एक क्रिकेट कार्यक्रम के दौरान विनोद कांबली मुझे मिल गए थे. तब तक वे रिटायर हो चुके थे लेकिन एक जमाने में वे काफी अच्छे बैट्समैन माने जाते थे. मैंने उससे पूछा कि विनोद आप अपने जीवन में उतार चढ़ाव के समय सबसे ज्यादा खुश कब थे? वो समय मुझे बताए. मुझे लगा कि वे कहेंगे कि जब मैंने डबल सेंचुरी लगाई थी. लेकिन उन्होंने मुझसे कहा कि, 'सर, मैंने कई बड़े खिलाड़ियों को परास्त किया. हम जीते और कई रिकॉर्ड तोड़े, लेकिन आज भी मैं सबसे ज्यादा खुश तब होता हूं जब मैं किसी युवा खिलाड़ी को बैकफुट पर खेलना सिखाता हूं.' विनोद कांबली इंटरनेशल लेवल पर टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं. भारत के लिए 100 से ज्यादा वनडे खेल चुके कांबली मास्टर-ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के बचपन के दोस्त हैं. एक समय दोनों की दोस्ती काफी मशहूर थी. लेकिन एक तरफ जहां सचिन 'क्रिकेट के भगवान' कहलाए तो दूसरी ओर कांबली लंबे अरसे से गुमनामी भरा जीवन जीने को मजबूर हैं. इसी बीच अमित शाह ने विनोद कांबली संग हुई एक मुलाकात को याद करते हुए पूर्व क्रिकेटर से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया. विनोद कांबली भारत के लिए 104 वनडे और 17 टेस्ट मैच खेल चुके हैं. उन्होंने अपना आख़िरी टेस्ट साल 1995 में खेला था. वहीं 50 ओवर के फॉर्मेट में वे आख़िरी बार मैदान पर साल 2000 में उतरे थे.

पीवी सिंधु ने सचिन तेंदुलकर को दिया शादी का न्योता

नई दिल्ली. भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु जल्द ही विवाह बंधन में बंधने जा रही हैं। 29 वर्षीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी 22 दिसंबर को वेंकट दत्त साई से शादी करेंगी। दोनों परिवार शादी की तैयारियों में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में पीवी सिंधु अपने होने वाले पति वेंकट दत्ता साई के साथ मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर को आमंत्रित करने के लिए उनके घर पर पहुंचीं। सचिन तेंदुलकर ने पीवी सिंधु को शुभकामनाएं देते हुए एक तस्वीर सोशल मीडिया पोस्ट की है। सचिन तेंदुलकर ने कैप्शन में लिखा, बैडमिंटन में स्कोर हमेशा 'लव' से शुरू होता है.

अश्विनी-तनीषा और सतीश कुमार ने गुवाहाटी मास्टर्स का खिताब जीता

नई दिल्ली.

महिला युगल में शीर्ष वरीयता प्राप्त अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रैस्टो तथा पुरुष एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त सतीश कुमार करुणाकरण ने रविवार को यहां गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन का खिताब जीता। अश्विनी और तनीषा ने चीन की ली हुआ झोउ और वांग जी मेंग को 43 मिनट के फाइनल में 21-18, 21-12 से हराया और प्रतिष्ठित खिताब को बरकरार रखा। दिन के आखिरी मैच में सतीश कुमार ने चीन के झू झुआन चेन पर 21-17, 21-14 से जीत हासिल कर अपनी ट्रॉफी कैबिनेट में दूसरा सुपर 100 खिताब जोड़ा। 23 वर्षीय सतीश कुमार ने पिछले साल ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीता था और अब वह आत्मविश्वास के साथ भुवनेश्वर जाएंगे। यह प्रतियोगिता का दूसरा संस्करण है, जिसे बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया और असम बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा युवा भारतीय शटलरों को बहुत जरूरी अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। भारत के पास अंतिम दिन तीन खिताब जीतने का मौका था, लेकिन उभरती हुई अनमोल खरब उस लय को बरकरार नहीं रख सकीं, जिसके कारण वह चीन की कै यान यान के खिलाफ पहला गेम जीतने के बावजूद फ़ाइनल में 14-21, 21-13, 21-19 से हार गईं। भारत और चीन ने प्रतियोगिता में दो-दो खिताब जीते, जबकि मलेशियाई जोड़ी चिया वेइजी और ल्वी शेंग हाओ ने पुरुष युगल का खिताब जीता।

स्टार खिलाड़ी हुई कार दुर्घटना में मौत

नई दिल्ली. प्रीमियर लीग फुटबॉल स्टार माइकल एंटोनियो शनिवार को एक भीषण कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है हादसे के दौरान उनकी फेरारी कार के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गए और माइकल एंटोनियो एक घंटे से ज्यादा समय तक कार में ही फंसे रहे। इसके बाद आपात सेवाओं ने उन्हें जैसे-तैसे कार से निकाला और सेंट्रल लंदन के अस्पताल में भर्ती कराया। उनके शरीर के निचले हिस्से में मल्टीपल फ्रैक्चर थे। जिनकी सर्जरी की गई है। अभी वह अस्पताल में ही डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में रहेंगे। बता दें कि ये हादसा टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर ऋषभ पंत के कार हादसे भी भीषण था।

डी गुकेश ने लगातार 11वें गेम में डिंग लिरेन को हराया

नई दिल्ली.

डी गुकेश ने लगातार आठ ड्रॉ के बाद बढ़त हासिल की है। गुकेश का लक्ष्य इतिहास में सबसे कम उम्र का क्लासिकल शतरंज चैंपियन बनने पर है। वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप फाइनल का 11वां मुकाबला सबसे रोमांचक बाजियों में से एक रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने एक ही चाल पर लगभग एक घंटा बिताया।

गुकेशन ने चैंपियन डिंग लिरेन को हराया और मुकाबले का स्कोर 6-5 कर दिया, जबकि केवल तीन गेम बचे हैं। गेम हारने के बाद स्पष्ट रूप से दुखी डिंग ने कहा कि ये मेरे लिए बहुत मुश्किल खेल था। पहले से ही चौथे मूव पर मुझे यकीन नहीं था कि मैंने सही विकल्प चुना है या नहीं। मुझे जीएम अधिबान के खिलाफ रैपिड टूर्नामेंट में खेला गया एक गेम याद था, लेकिन मुझे अन्य चालें याद नहीं थीं। मैंने कुछ बकवास विविधताओं की गणना करने में 40 मिनट बिताए।

इस अवसर पर समय की कमी निर्णायक थी। खेल समाप्त होने में केवल सात मिनट बचे थे, डिंग ने 28वीं चाल में गलती की, एक चाल के संयोजन में एक मोहरा गंवा दिया। 28 एनबी4 के बजाय, अपने अतिरिक्त मोहरे को अच्छे ड्रॉ अवसरों के साथ वापस देते हुए, उन्होंने हारने वाले 28 क्यूसी8 को खेला और 29. क़्यूएक्ससी 6 के बाद वह हार गए।

'मेरी पूरी टीम को बधाई'

वहीं, गुकेश ने कहा कि इस ओपनिंग की तैयारी के लिए मेरी पूरी टीम को बधाई, जिसने मेरे प्रतिद्वंद्वी को आश्चर्यचकित कर दिया। फिर मैंने कुछ बेवकूफी भरी चीजें कीं, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं इसे वापस लाने में सक्षम था। जबकि डिंग लिरेन ने याद किया कि वह पिछले मैच में बारहवें गेम में वापसी करने में सफल रहे थे। इसलिए मुझे अगले गेम में अच्छा खेलने की उम्मीद है।

बांग्लादेशी हिंदुओं पर हिंसा के खिलाफ दिखी एकजुटता

> 100 से अधिक देशों में सड़कों पर उतरे प्रवासी भारतीय

नई दिल्ली।

बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समाज के लोगों के साथ जारी बर्बरता को लेकर विभिन्न देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीय भी आक्रोशित हैं। 100 से अधिक देशों में प्रवासी भारतीय प्रदर्शनों, प्रार्थना सभाओं और ज्ञापन के जरिये बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ जारी हिंसा को रोकने और हिंदुओं की मानवाधिकार की रक्षा की मांग उठा रहे हैं।

समाज व सरकारों को स्थिति की भयावहता बता रहे हैं ताकि बांग्लादेश में कट्टरपंथियों की कठपुतली बनी अंतरिम सरकार पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बढ़ाया जा सके और वहां अल्पसंख्यकों के अधिकार बहाल हो। जानकारी के मुताबिक, प्रवासी भारतीयों द्वारा अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, डेनमार्क, स्वीटजरलैंड, थाईलैंड, सिंगापुर और इंडोनेशिया समेत अन्य देशों में विरोध व जागरूकता अभियान तेज है।

यह अभियान बांग्लादेश के मुक्ति दिवस 16 दिसंबर तक चलेगा। उसी दिन भारत की मदद से बांग्लादेश वर्ष 1971 में पाकिस्तान से अलग होकर स्वतंत्र देश बना था। सोमवार 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय नरसंहार दिवस पर अमेरिका के कैपिटल हिल में बड़ा प्रदर्शन करने की तैयारी है। विदेशी धरती पर चल रहे इस अभियान में हिंदू स्वयंसेवक संघ व विहिप के साथ देशवार हिंदू धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक समेत अन्य संगठन साथ जुड़े हैं। हिंदू मूल के राजनीतिज्ञ, जनप्रतिनिधि व उद्यमी भी साथ आए हैं। बांग्लादेश के उत्पादों के बहिष्कार की भी मुहिम जोर पकड़ रही है। खासकर कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के परिधान बांग्लादेश में निर्मित होते हैं। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से आग्रह किया जा रहा है कि वे वहां से उत्पाद न मंगाए, क्योंकि इसमें हिंदुओं के खून सने हैं। इसी तरह इंटरनेट मीडिया पर कई ब्रांड के नाम उल्लेखित कर उसे बहिष्कार का अनुरोध किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र पर भी बनाया जा रहा दबाव

अमेरिका और ब्रिटेन जैसे बांग्लादेश को आर्थिक मदद देने वाले देशों पर दबाव बनाने की कोशिश हो रही है कि वे उसे आर्थिक मदद तभी करें जब वहां हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों के अधिकार सुनिश्चित हों। प्रवासी भारतीयों द्वारा संयुक्त राष्ट्र व अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों पर भी लगातार दबाव बनाया जा रहा है कि वे मामले में हस्तक्षेप करें।

फिर विवादों में जॉर्ज सोरोस

नई दिल्ली।

भाजपा ने आरोप लगाया है कि अमेरिका के डीप स्टेट के साथ मिलकर गांधी परिवार भारत के खिलाफ साजिश रचने में शामिल हैं। आज संसद में भी भाजपा ने इस मामले को उठाया और कहा कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का संबंध जॉर्ज सोरोस फाउनडेशन से है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना चाहते हैं। जॉर्ज सोरोस एक अमेरिकी व्यवसायी हैं, जिनका जन्म हंगरी के बुडापेस्ट में 1930 में हुआ था। सोरोस की गिनती दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की सूची में होती है। उनका जन्म एक यहूदी परिवार में हुआ था, जो काफी समृद्ध था। सोरोस का परिवार हंगरी में नाजी कब्जे से निकलकर 1947 में ब्रिटेन आ गए। यहां उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स से पढ़ाई की।

जानकारों का कहना है कि सोरोज ने अपनी पढ़ाई के लिए रेलवे पोर्टर और वेटर के तौर पर भी काम किया। इसके बाद 1956 में वो अमेरिका चले गए जहां उन्होंने वहां यूरोपिय प्रतिभूतियों के साथ एनालिस्ट के रूप में काम किया। सोरोस पर अपने धन बल का इस्तेमाल कर सरकारों को अस्थिर करने का आरोप लगता रहा है।

पहाड़ी इलाकों में भारी हिमपात

> मुंबई, दिल्ली और यूपी में घाना कोहरा, कई ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर में ठंड बढ़ने से पारा माइनस में चला गया है। जम्मू के 2 और कश्मीर के 9 जिलों में पारा माइनस में रिकॉर्ड किया गया। जोजिला में सबसे ज्यादा ठंड है, जहां तापमान -19° डिग्री तक पहुंच गया है। श्रीनगर में भी पारा -4.1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मैदानी इलाकों में 3.8 डिग्री के साथ पंजाब का आदमपुर सबसे ठंडा शहर रहा। दिल्ली में आज सुबह 7.1 डिग्री तापमान के साथ सीजन की सबसे ठंडी सुबह रही। मुंबई, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में सुबह कोहरा भी छाया रहा। बढ़ते कोहरे की वजह से उत्तर रेलवे ने 77 ट्रेनें 28 फरवरी तक रद्द कर दी हैं। इसमें 36 ट्रेनें दिल्ली डिवीजन की हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के चलते आज दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, असम, सिक्किम, मेघालय, त्रिपुरा समेत 17 राज्यों में कोहरा छाएगा। इससे मैदानी राज्यों में ठंड बढ़ेगी। उधेर रविवार की शाम से शिमला में सीजन की पहली बर्फबारी देखने को मिल रही है। रिज मैदान, माल रोड, जाखू की पहाड़ी और शिमला के विभिन्न स्थानों पर बर्फ के हल्के सफेद फाहे आसमान से गिरते दिखे। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई है, जिसके चलते यह स्थान विभिन्न देशों से आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का पहला केंद्र बन गया है, पर्यटकों ने बर्फबारी का खूब लुत्फ उठाया।

गुलमर्ग के साथ-साथ पर्यटन स्थल दूधपथरी में भी बर्फबारी हुई। दूधपथरी में बर्फबारी के कारण रास्ते में फंसे पर्यटकों को पुलिस ने रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों तक कश्मीर में

पहाड़ी इलाकों के साथ-साथ मैदानी इलाकों में भी बर्फबारी और बारिश की संभावना जताई है। कुपवाड़ा में भी खूब बर्फबारी हुई है। जोजिला में तापमान -20.0°C और करगिल में तापमान-10.8°C रिकॉर्ड किया गया है।हिमाचल के लाहुल घाटी के साथ-साथ शिंकुला, बारालाचा, कुंजुम दर्रा सहित रोहतांग में तीन से चार इंच ताजा हिमपात हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार नौ दिसंबर को भी हिमाचल प्रदेश के आठ जिलों शिमला, लाहुल स्पीति, किन्नौर, चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी व सिरमौर में हिमपात व वर्षा की संभावना जताई गई है।

केदारनाथ-बद्रीनाथ में 4 इंच बर्फ की चादर

केदारनाथ मंदिर पूरी तरह से बर्फ की सफेद चादर से ढका हुआ है चमोली, औली, जोशीमठ, बद्रीनाथ, सहित तमाम ऊंचाई वाली जगहों पर सीजन की पहली बर्फबारी से पहाड़ गुलजार हो गए हैं। सैलानियों के चहरे भी खिल उठे हैं। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में हल्के बादल देखने को मिल रहे हैं। उधम सिंह नगर सहित पहाड़ों के कई इलाकों में दो से चार इंच तक बर्फबारी दर्ज की गई है।

अमेरिका ने सीरिया पर बरसाए बम

नई दिल्ली।

सीरियाई विद्रोहियों ने देश की राजधानी दमिश्क और राष्ट्रपति बशर अल-असद के आलीशान महल पर कब्जा कर लिया है। 59 वर्षीय तानाशाही राष्ट्रपति बशर अल-असद युद्ध प्रभावित देश सीरिया को छोड़कर मॉस्को पहुंच गए। जहां उन्हें रूस द्वारा शरण दी गई है। वहीं, अमेरिका ने विद्रोहियों के कब्जे के बीच सीरिया में इस्लामिक स्टेट के ठिकानों पर कई हवाई हमले किए हैं।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसके सुरक्षा बलों ने रविवार को मध्य सीरिया में इस्लामिक स्टेट के ठिकानों पर दर्जनों हवाई हमले किए। इन अमेरिकी हवाई हमलों का उद्देश्य युद्धग्रस्त देश में इस्लामिक स्टेट के फिर से उभरने को रोकना है।

इस ऑपरेशन में बी-52, एफ-15 और ये-10 सहित कई अमेरिकी वायु सेना के बलों का उपयोग करके

75 से अधिक टार्गेट पर हमला किया गया है। सीरिया में इस्लामिक स्टेट के बढ़ते वर्चस्व को रोकने के लिए अमेरिका आगे भी हमला जारी रखेगा।

जनरल माइकल एरिक कुरिल्ला ने कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि हम इस्लामिक स्टेट को पुनः संगठित होने और सीरिया में वर्तमान स्थिति का लाभ उठाने की अनुमति नहीं देंगे।' इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'सीरिया में सभी संगठनों को पता होना चाहिए कि यदि वे किसी भी तरह से इस्लामिक स्टेट के साथ साझेदारी करते हैं या उसका समर्थन करते हैं तो हम उन्हें करारा जवाब देंगे।

सफलता की नई ऊंचाईयों को छू रहा राजस्थान

> राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में बोले पीएम मोदी

जयपुर।

राजस्थान के जयपुर में आज से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की शुरुआत होने जा रही है। इसका समिट का उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जयपुर पहुंचे, जहां उन्होंने 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का उद्घाटन और संबोधन किया।

लोगों और मीडिया को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र के माध्यम से क्षेत्रों में सफलता प्राप्त की है और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इसकी अर्थव्यवस्था और निर्यात दोगुना हो गया है।

पीएम मोदी ने कहा, आज, दुनिया सभी क्षेत्रों में देश के विकास को देख रही है। भारत पिछले 10 वर्षों में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इसकी अर्थव्यवस्था और निर्यात दोगुना हो गया है। आज दुनिया का हर

निवेशक भारत को लेकर उत्साहित है। भारत ने जो विकास किया है वह सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र के माध्यम से हासिल किया गया है और इसे हर क्षेत्र में देखा जा सकता है।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि डिजिटल डेटा, लोकतंत्र, डिलीवरी और डेमोग्राफी में वृद्धि भारत की सफलता के माध्यम से देखी जा सकती है। उन्होंने कहा, "डिजिटल डेटा, लोकतंत्र, डिलीवरी और डेमोग्राफी को भारत की सफलता के माध्यम से देखा जा सकता है। यह तकनीक और डेटा से प्रेरित सदी है। भारत दुनिया को लोकतंत्र, डेमोग्राफी और डेटा की असली शक्ति दिखा रहा है। भारत ने दिखाया है कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के लोकतंत्रीकरण से समाज के सभी क्षेत्रों और वर्गों को कैसे लाभ मिल सकता है। भारत की यूपीआई, डीबीटी योजनाएं और कई अन्य प्लेटफॉर्म डिजिटल बुनियादी ढांचे की ताकत को दर्शाते हैं। हम राजस्थान में इसके प्रभाव देखने जा रहे हैं। जब राजस्थान सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा, तो भारत भी इसका पूरक बनकर ऊंचाइयों को छुएगा।

पीएम मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भाजपा सरकार विकास भी, विरासत भी के मंत्र के साथ काम कर रही है, जिसमें विकास और विरासत पर समान ध्यान दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "आजादी के बाद सरकारों की प्राथमिकता न तो विकास थी और न ही विरासत – राजस्थान को इसके कारण बहुत नुकसान हुआ है। लेकिन आज हमारी सरकार 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र पर काम कर रही है... राजस्थान आगे बढ़ रहा है, लेकिन विश्वसनीय भी है। राजस्थान ग्रहणशील है और समय के साथ खुद को निखारने के लिए भी जाना जाता है... राजस्थान के 'आर' फैक्टर में एक और पहलू जुड़ गया है। राज्य की जनता ने भारी बहुमत से भाजपा की उत्तरदायी और सुधारवादी सरकार बनाई है।

अधिकारी ने मांगी 15 दिन की मोहलत

> कोर्ट में जमा करनी थी संभल सर्वे की रिपोर्ट

नई दिल्ली.

उत्तर प्रदेश के संभल जिले की शाही जामा मस्जिद सर्वे रिपोर्ट को लेकर एडवोकेट कमिश्नर का कहना है कि उन्हें पिछले कुछ दिनों से बुखार है। खराब स्वास्थ्य की वजह से सर्वे रिपोर्ट को देख नहीं सका। उन्होंने बताया कि वह कोर्ट से अनुरोध करने जा रहे हैं कि रिपोर्ट जमा कराने के लिए उन्हें 15 दिन की मोहलत मिले। इस बीच पिछले महीने जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा की घटना को लेकर शामिल 2 और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि यह गिरफ्तारी सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की गई है।

संभल शाही जामा मस्जिद सर्वे रिपोर्ट पर एडवोकेट कमिश्नर रमेश सिंह राघव ने कहा, मुझे पिछले 3-4 दिनों से बुखार आ रहा है और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं की वजह से मैं इसका विश्लेषण नहीं कर सका। अब मैं अदालत से अनुरोध करूंगा कि मुझे 15 दिन का समय दिया जाए और मैं निर्देशों के अनुसार रिपोर्ट पेश करूंगा. रिपोर्ट एक सीलबंद लिफाफे में कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। रिपोर्ट लगभग तैयार है, यह अंतिम चरण में है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अनस और मोहम्मद सूफियान नाम के 2 आरोपियों को कल रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें जेल भेज दिया गया है। संभल में पिछले महीने 19 नवंबर को एक लोकल कोर्ट की ओर से मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद का सर्वे कराए जाने का आदेश दिए जाने के बाद से तनाव की स्थिति बन गई। फिर 24 नवंबर को मस्जिद के फिर से सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई और इस हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए।

सिविलियन आर्मी भी जरूरी'

> 'राष्ट्र हित की रक्षा के लिए जस्टिस सूर्य कांत ने कहा

गांधीनगर।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि आर्थिक, राजनीतिक, कानून के शासन और सुशासन की दिशा में बढ़ते राष्ट्र को न सिर्फ वर्दी वाली सेना की जरूरत है, बल्कि देश के भीतर व बाहर दोनों जगह अपने हितों की लगन एवं समझदारी से रक्षा करने के लिए विशेषज्ञों की 'सिविलियन आर्मी' की भी जरूरत है।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट (विधि छात्रों की छद्म अदालत) प्रतियोगिता के समापन सत्र को संबोधित करते हुए जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि कानून के क्षेत्र में पूर्णता की नहीं; बल्कि दृढ़ता, जिज्ञासा और निष्पक्षता व समानता के आदर्शों के लिए प्रतिबद्धता जरूरी है। उन्होंने कहा, 'चाहे आप कानून स्नातक हों, आपराधिक कानून या अंतरराष्ट्रीय कानून के विशेषज्ञ हों, चाहे आप प्रोwफेसर हों या वैज्ञानिक या इंजीनियर हों या किसी अन्य जिम्मेदार पद पर हों, आप उस सिविलियन आर्मी का हिस्सा बन जाते हैं, जो बहुत सावधानी, बुद्धिमानी व लगन से राष्ट्र के हितों की देखभाल करती है, चाहे वह देश के अंदर हो या बाहर।'

जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि मूट कोर्ट में उठाए गए मुद्दे

जैसे अंतरराष्ट्रीय कानून, वैश्विक सुरक्षा, साइबर आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मामलों से जुड़े काल्पनिक मामले छात्रों को प्रतिस्पर्धी माहौल में कानून के जटिल क्षेत्रों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं। जब आप सिविल सेवा या किसी अन्य सार्वजनिक कार्य के लिए जाते हैं तो बोलने, भाषण देने और खुद को व्यक्त में आत्मविश्वास का तत्व बेहद महत्वपूर्ण होता है।

उन्होंने कहा कि ये ऐसे मंच हैं, जहां आप यह आत्मविश्वास प्राप्त करते और सीखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देशों में आर्थिक और वित्तीय अपराधों में वृद्धि को देखते हुए यह महत्वपूर्ण है कि युवा छात्रों को ऐसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से कानून के इन क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाए।

सीरिया में बदले हालातों के बीच भारत के लिए चुनौती

नई दिल्ली। सीरिया की सत्ता से रविवार को बेदखल किए गए राष्ट्रपति बशर अल असद के साथ रिश्तों को हाल के महीनों में भारत ने मजबूत बनाने की कोशिश तेज की थी। इस कोशिश के तहत आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग एक अहम एजेंडा था। दोनों देश अलकायदा व आईएस जैसे संगठनों के प्रसार पर लगाम लगाने को लेकर संपर्क में थे। अब इन्हीं संगठनों से जुड़े आतंकी संगठनों के हाथ में सीरिया की सत्ता जाने का खतरा है। साफ है कि पश्चिम एशिया में भारतीय हितों के हिसाब से नए रिश्तों को गढ़ने में जुटे भारतीय कूटनीतिकारों को सीरिया में काफी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। करीब साढ़े तीन वर्ष पहले अफगानिस्तान में और तीन महीने पहले बांग्लादेश में सत्ता बदलाव की चुनौतियों से जूझ रही भारतीय कूटनीति को अब सीरिया में हुए सत्ता परिवर्तन के साथ तालमेल बिठाना होगा।

विदेश सचिव ने बांग्लादेश को सुनायी खरी-खरी

ढाका।

पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर बढ़ते हमलों के बीच पहली बार विदेश सचिव विक्रम मिसरी बातचीत के लिए ढाका पहुंचे हैं। ढाका पहुंचते ही उन्होंने बांग्लादेश को दो टूक लहजे में कहा है कि सबसे पहले हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की रक्षा और उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा तय करनी होगी। उन्होंने अपने समकक्ष के सामने सख्ती से ये मुद्दा उठाया। विदेश सचिव मिसरी ने बांग्लादेश के विदेश सलाहकार से कहा कि भारत सकारात्मक, रचनात्मक और साझा हित चाहता है, इसलिए बांग्लादेश को भी उसी तरह का व्यवहार करना चाहिए।

अपनी उच्च स्तरीय बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए मिसरी ने कहा, "मैंने आज बांग्लादेश प्राधिकरण की अंतरिम सरकार के साथ मिलकर काम करने की भारत की इच्छा को रेखांकित किया है।" दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव के बीच विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को ढाका में अपने बांग्लादेशी समकक्ष मोहम्मद जशीमुद्दीन के साथ बैठक की। अगस्त

में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के अपदस्थ होने के बाद भारत की ओर से यह पहला उच्च-स्तरीय दौरा है। मिसरी की यह यात्रा हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर नई दिल्ली और ढाका के बीच संबंधों में बढ़ते तनाव के बीच हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि मिसरी भारतीय वायुसेना के विमान से ढाका पहुंचे। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी की। भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा भी हवाई अड्डे पर मौजूद रहे। यहां पहुंचने के तुरंत बाद मिसरी ने जशीमुद्दीन के साथ बैठक की। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, "हमारे विदेश सचिव जशीमुद्दीन और उनके समकक्ष विक्रम मिसरी के बीच बैठक राज्य अतिथि गृह में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हो रही है। पहले उन्होंने आमने-सामने संक्षिप्त बातचीत की और फिर दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के साथ औपचारिक बैठक शुरू हुई।" अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेशी पक्ष सोमवार को वार्ता के बारे में मीडिया को जानकारी देगा, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

सरकारी विभागों की खुल गई पोल

नई दिल्ली। देश में केंद्र और राज्य सरकारें कारोबार में सहूलियत और निजी क्षेत्र के निवेश में तेजी लाने पर जोर दे रहीं हैं। वहीं भ्रष्ट सरकारी मशीनरी अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल कंपनियों और उद्यमियों से अवैध तरीके से पैसे उगाहने में लगी हैं, जिसके चलते देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने की सिंगल विंडो क्लियरेंस और ईज आफ डुइंग बिजनेस जैसे प्रयासों को पलीता लग रहा है।

एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि करीब 66 प्रतिशत कंपनियों को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए रिश्वत देनी पड़ती है। कंपनियों ने दावा किया कि उन्होंने सप्लायर क्वॉलीकेशन, कोटेशन, ऑर्डर प्राप्त करने तथा भुगतान के लिए रिश्वत दी है। लोकल सर्कल्स की रिपोर्ट के अनुसार कुल रिश्वत का 75 प्रतिशत कानूनी, माप- तौल, खाद्य, दवा, स्वास्थ्य आदि सरकारी विभागों के अधिकारियों को दी गई।

कैसे हर घर पहुंचेगा पानी?

राष्ट्रीय जल जीवन कोष में 2 लाख भी नहीं हुए जमा

नई दिल्ली।

जल जीवन मिशन यानी गांव के हर घर में नल से जल पहुंचाने की योजना के लिए केंद्र सरकार हर साल लगभग पचास हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर रही है। राज्य भी अपने हिस्से की धनराशि आगे-पीछे दे रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही यह भी अपेक्षा की गई थी कि पानी के लिए धन का दान भी मिलेगा तो उससे ग्रामीण आबादी की पानी की जरूरत को पूरा करने में मदद मिलेगा, लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि न तो लोग इसके लिए आगे आए और न ही कॉरपोरेट जगत।

आज स्थिति यह है कि जल जीवन कोष में पांच साल में इतनी न्यूनतम राशि भी जमा नहीं हो सकी कि उसका कहीं सदुपयोग किया जाता। इस कोष में केवल 1.94 लाख रुपये जमा हो सके हैं, जिसके कारण जलशक्ति मंत्रालय को कहना पड़ा कि

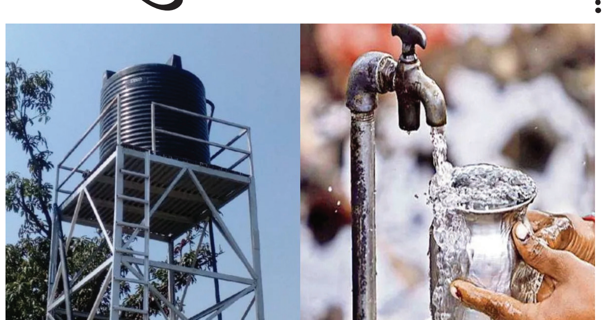

यह धनराशि इतनी कम है कि उसे कहीं व्यय नहीं किया जा सका। जल जीवन कोष की स्थिति का सवाल गत सप्ताह राज्यसभा में उठा था। इसमें आई राशि का ब्यौरा पूछा गया था और उसके उपयोग की जानकारी मांगी गई थी।

इसके जवाब में केंद्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी ने सदन को बताया कि व्यक्तिगत रूप से लोगों, संस्थानों, कारपोरेट समूहों और सामाजिक कार्यों के लिए दानदाताओं को 2019 में शुरू किए गए जल जीवन मिशन से जुड़ने का अवसर देने के लिए एक राष्ट्रीय कोष की स्थापना की गई थी।

इसके पीछे उद्देश्य यह था कि बहुत सारे लोग और संस्थान समाज के कल्याण के लिए कुछ वापस देने की इच्छा रखते हैं। ऐसे लोग और समूह केंद्रीय जल जीवन कोष में दान देकर इस आंदोलन का हिस्सा बन सकते हैं।

जल जीवन मिशन का लक्ष्य हासिल करने की दृष्टि से इसे अहम पहल माना गया था और इसके लिए जेजेएम मोबाइल एप के साथ ही एक वेबसाइट https://jaljeevanmission.gov.in/ भी बनाई गई थी, लेकिन इनमें योगदान के रूप में केवल 1,94,158 रुपये ही जमा हो सके हैं। यह पैसा कहीं आवंटित नहीं किया जा सका।

क्या कहा मंत्रालय के एक अधिकारी ने

इस पहल के आगे न बढ़ पाने के संदर्भ में मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसा नहीं है कि लोग पानी के मामले में मदद नहीं करना चाहते हैं। शायद इस कोष की सही तरह जानकारी नहीं दी जा सकी। अगर प्रचार में कोई कमी रही है तो इसे दूर किया जाएगा। वैसे यह पूरी तरह स्वैच्छिक है और केंद्र और राज्य सरकारें अपना योगदान दे रही हैं।

पेरिस में ट्रंप ने की विलियम के साथ मुलाकात

वाशिंग्टन। अमेरिका में ऐतिहासिक बहुतम के साथ राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने प्रिंस विलियम के साथ पेरिस में मुलाकात की। अपनी इस मीटिंग के बाद ट्रंप खुद को विलियम की तारीफ करने से नहीं रोक पाए। ट्रंप ने अपनी और विलियम की बातचीत के बारे में लिखते हुए इसे एक महान बातचीत कहा। इस मामले के जानकार लोगों के अनुसार ट्रंप की विलियम से बेहतर बातचीत प्रिंस हैरी और मेगन मार्केल की वीजा संबंधी चिंताओं के बढ़ा सकता है।

पेरिस में नोट्रे डेम कैथेड्रल के उद्धघाटन समारोह में ट्रंप और विलियम दोनों ही पहुंचे थे। विलियम यहां पर अपने पिता और ब्रिटिश सम्राट किंग चार्ल्स की तरफ से शामिल हुए थे। यहीं पर इन दोनों की द्विपक्षीय मुलाकात हुई। ट्रंप और प्रिंस विलियम इससे पहले 2021 में व्हाइट हाउस में एक दूसरे से मिले थे।

जर्मनी का नागरिक भारत में बना चार बार विधायक

नई दिल्ली।

तेलंगाना हाई कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेता आदि श्रीनिवास की दायर याचिका पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि के. चंद्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस से विधायक रह चुके चेन्नामनेनी रमेश एक जर्मन नागरिक हैं तथा उन्होंने वेमुलावाड़ा सीट से चुनाव लड़ने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया है। उन्होंने गलत तरीके से खुद को एक भारतीय नागरिक के रूप में पेश किया।

कोर्ट ने माना कि रमेश जर्मन दूतावास से ये पुष्टि करने वाले दस्तावेज पेश करने में विफल रहे कि वो अब उस देश के नागरिक नहीं हैं। कोर्ट ने उनके ऊपर 30 लाख का जुर्माना भी लगाया, जिसमें से 25 लाख रुपये श्रीनिवास को दिलवाए गए हैं, जिनके खिलाफ रमेश नवंबर 2023 का चुनाव हारे थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा कर श्रीनिवास ने कहा कि पूर्व विधायक चेन्नामनेनी रमेश पर कड़ी प्रतिक्रिया। रमेश पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो जर्मन नागरिक के तौर पर झूठे दस्तावेजों के आधार पर विधायक बने थे। बता दें कि रमेश इससे पहले वेमुलावाड़ा सीट से चार बार जीते थे। 2009 में तेलुगु देशम पार्टी के टिकट पर तथा फिर 2010 से 2018 तक तीन बार, जिसमें

पार्टी बदलने के बाद हुआ उपचुनाव भी शामिल था। कानून के अनुसार, गैर-भारतीय नागरिक चुनाव नहीं लड़ सकते या मतदान नहीं कर सकते हैं।

2020 में केंद्र ने तेलंगाना उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि रमेश के पास एक जर्मन पासपोर्ट है, जो 2023 तक वैध है तथा केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहले ही उनके भारतीय नागरिकता को रद्द करने का आदेश दिया था, इस आधार पर कि उन्होंने अपने आवेदन में तथ्य छुपाए थे।

गृह मंत्रालय ने कहा था कि उनके गलत बयान/तथ्यों को छिपाने से भारत सरकार गुमराह हुई और अगर उन्होंने बताया होता कि आवेदन करने से पहले वह एक साल तक भारत में नहीं रहे थे तो इस मंत्रालय में सक्षम प्राधिकारी नागरिकता प्रदान नहीं करता। इसके बाद रमेश ने गृह मंत्रालय के आदेश को चुनौती देते हुए कोर्ट में याचिका दायर की थी।